सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–148 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 17 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" जीवन में सुखी होने के लिए दो शक्तियों की जरूरत होती है एक सहन शक्ति और दूसरी समझ शक्ति ...!! "

अज्ञात...

दुर्ग में 'नई दृष्टिबिंदु' का जिला कार्यालय उद्घाटित, पूर्व विधायक अरुण वोरा ने काटा फीता

पूर्व विधायक अरूण वोरा, पूर्व महापौर आरएन वर्मा व धीरज बाकलीवाल कार्यक्रम में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

सांध्य दैनिक 'नई दृष्टिबिंदु' और 'खबर आलोक' के डिजिटल प्लेटफार्म का जिला कार्यालय सोमवार को वार्ड–26, तरुण टॉकीज के पीछे संतरा बाड़ी दुर्ग में उद्घाटित हुआ।

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने फीता काटकर कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पूर्व महापौर आरएन वर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, राजू भाटिया व राजकुमार पाली व युवा कांग्रेस नेता अंकुश शर्मा अतिथि के रूप में शामिल हुए।

निष्पक्ष पत्रकारिता और जनता की मुखर आवाज बनेगा अखबार–वोरा

श्री वोरा ने कहा कि दुर्ग शहर में 'नई दृष्टिबिंदु' निष्पक्ष पत्रकारिता और जनता की मुखर आवाज बनने की पहचान बनाएगा। उन्होंने अखबार परिवार को शुभकामनाएं दीं। पूर्व महापौर आरएन वर्मा और धीरज बाकलीवाल ने भी प्रधान संपादक

आलोक तिवारी को बधाई दी।

गौरतलब है कि सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का यू–ट्यूब चैनल भी है साथ ही पोर्टल भी है। प्रतिदिन संध्या 4 बजे सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का ई–पेपर नेट पर अपलोड किया जाता है। यू–ट्यूब चैनल में देश–दुनिया व प्रदेश सहित दुर्ग संभाग की खबरे प्रमुखता से ली जाती हैं। इसी तरह खबर आलोक का भी यू–ट्यूब चैनल व पोर्टल है।

उद्घाटन समारोह में नई दृष्टिबिंदु दुर्ग ब्यूरो के दिनेश साहू, राहुल साहू, शिवेन्द्र साहू, ब्रांच मैनेजर आनंद शर्मा, अद्वितीय तिवारी, न्यूज एंकर सत्यम सिंह, नवीला काजी, सत्यम साहू, चंद्रशेखर, चिमन लाल देशमुख, निखिलेश शुक्ला सहित अन्य सहयोगी उपस्थित थे।

शाला खुलते ही VSK ऐप बना जंजाल, आनलाईन उपस्थिति के लिए शिक्षक परेशान

अधूरी पहुँची पुस्तकें और गणवेश, मध्यान्ह भोजन बना चुनौती

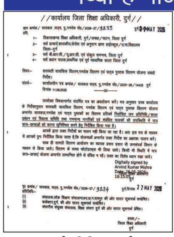

//कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग//

क्षाप क्रमांक/ सायकल ,पाठ्य, पु.गणवेश यो0/2026–27/9233 दुर्ग, 27 MAY 2026

प्रति,

1– विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, दुर्ग/धमधा/पाटन, जिला दुर्ग
2– सर्व प्राचार्य,शासकीय,सेजेस एवं अनुदान प्राप्त हाईस्कूल/उ.मा.विद्यालय जिला–दुर्ग
3– सर्व बी.आर.सी./यू.आर.सी. एवं संकुल समन्वय, जिला दुर्ग
4– सर्व प्रधान पाठक,प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला जिला दुर्ग

विषय:– सरस्वती सायकिल वितरण,गणवेश वितरण एवं पाठ्य पुस्तक वितरण योजना संबंधी निर्देश।

संदर्भ:– कार्यालयीन पत्र क्रमांक/ सायकल पाठ्य, पु.गणवेश यो0/2025–26/14435 दुर्ग दिनांक 11.09.2025

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र का अवलोकन करें। पत्र अनुसार उच्च कार्यालय के निर्देशानुसार सरस्वती सायकिल वितरण, गणवेश वितरण एवं पाठ्य पुस्तक वितरण योजना अन्तर्गत सायकल,गणवेश एवं पाठ्य पुस्तकों का वितरण प्रतिवर्ष निर्वाचित जन प्रतिनिधि/शाला प्रबंधन एवं विकास समिति तथा गणमान्य नागरिकों एवं संबंधित पालकों की उपस्थिति में पात्र छात्र–छात्राओं को करना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

आपके द्वारा उक्त निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। अतः इस पत्र के माध्यम से आपको पुनः निर्देशित किया जाता है,कि योजनाओं अन्तर्गत उक्त निर्देश का अक्षरशः पालन करें।

साथ ही सामग्री वितरण आयोजन का व्यापक प्रचार प्रसार भी जनसंपर्क विभाग के माध्यम से किया जावे। वितरण के समय फोटोग्राफ्स भी लिया जावे। किसी भी स्थिति में पात्र छात्र–छात्राएं योजना अन्तर्गत लाभान्वित होने से वंचित न रहें। उक्त का विशेष ध्यान रखा जावे।

Digitally signed by Arvind Kumar Mishra Date: 26.05.2026 16:15:05

जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग

पृ0 क्रमांक/ सायकल, पाठ्य, पु.गणवेश यो0/2026–27/9234 दुर्ग,दिनांक 27 MAY 2026

प्रतिलिपि:–

(1) संचालक,लोक शिक्षण संचालनालय,छ.ग.रायपुर की ओर सादर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
(2) कलेक्टर,दुर्ग, की ओर सादर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
(3) संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग दुर्ग की ओर सादर सूचनार्थ प्रेषित।

हस्ता/–
जिला शिक्षा अधिकारी
दुर्ग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही शिक्षा विभाग के शिक्षकों की आनलाईन उपस्थिति के आदेश ने शिक्षकों के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी । स्कूलों में जब शिक्षक पहुँचकर अपनी उपस्थिति ऑनलाइन श्रड्ड अस्रस्र के माध्यम से दर्ज कराने की कोशिश की तो ऑनलाइन उपस्थिति उनके लिए एक बड़ी समस्या बन गयी।

स्कूलों में पहुँचने के बाद भी बार बार प्रयास के बाद भी शिक्षक श्रड्ड अस्रस्र में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा पा रहे थे । घंटे भर से अधिक समय तक उपस्थिति दर्ज कराने के प्रयास के बाद भी जब शिक्षक अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा पाए तो उन्होंने थक हार कर आनलाइन उपस्थिति का प्रयास करना बंद कर अपने अन्य कार्य पर अपना ध्यान लगाना शुरू किया ।

पुस्तक और गणवेश : कहीं अधूरा तो कहीं पहुंचा भी नहीं

नये शिक्षा सत्र की शुरुआत तो हो गयी लेकिन अभी अधिकांश स्कूलों में गणवेश पहुंचा ही नहीं हैं , विदित हो इस सत्र से शासन विद्यार्थियों के लिए नये रंग और डिजाइन का गणवेश विद्यालय खुलने से पूर्व वितरित करने का दावा कर रही थी लेकिन सरकार का रह दावा फेल होता दिखा मजबूरन बच्चों को पुराने गणवेश पहन कर स्कूल आना पड़ा । गणवेश के जैसा हाल निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का भी रहा ।

अधिकांश विद्यालयों में सभी विषयों की पुस्तकें नहीं पहुंच पायी हैं अव्यवस्था का आलम यह है कि स्कूल खुलने के बाद तक स्कूलों मे पाठ्यपुस्तकें पहुँचायी जा रही हैं जबकि इन पाठ्यपुस्तकों को वितरण के पहले स्कैनिंग किया जाना है । कुछ स्कूलों में पुस्तकें पहुँ तो गयी हैं लेकिन एप में आबंटन नहीं दिखाने के कारण उनकी स्कैनिंग नहीं हो पा रही है ।

मध्यान्ह भोजन बना चुनौती

ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ भूजलस्तर नीचे चला गया है और बोर सूख गये हैं उन क्षेत्रों में मध्याह्न भोजन का संचालन करना भी शिक्षकों और मध्यान्ह भोजन संचालन समितियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है । ऐसे में एयरकंडीशनर कमरों में बैठकर स्कूल खोलने का आदेश करने वाले अधिकारियों को अपनी आँखें खोलने की जरूरत है । जहाँ एक तरफ बच्चे और शिक्षक स्कूलों में गर्मी और उमस से जूझते रहे तो दूसरी ओर अव्यवस्थाओं से । कुल मिलाकर स्कूलों का पहला दिन शिक्षा विभाग के लिए उपलब्धि से ज्यादा चुनौती साबित हुआ है।

बीएसपी स्क्रैप चोरी कांड : मुख्य आरोपी संजय सिंह को यूपी से किया गिरफ्तार

3 .22 करोड़ का माल जब्त, पुलिस रिमांड पर दो आरोपी, 8 पहले जा चुके हैं जेल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र से 250 टन स्क्रैप चोरी मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी संजय सिंह को दुर्ग पुलिस ने उत्तर प्रदेश के देवरिया से गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक अन्य आरोपी पिंटू उर्फ उपेंद्र ओझा को भी पकड़ा गया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

फ्लू डस्ट की आड़ में हो रही थी चोरी

पुरानी भिलाई थाना पुलिस के अनुसार 26 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम अकलोरडीह खदान पारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स, प्लॉट नंबर 18 ए/05, एचआईए हथखोज में जांच की गई। वहां हाईवा और ट्रकों में फ्लू डस्ट के साथ बीएसपी से चोरी की गई लोहे की प्लेट, बीम और कटिंग लोड मिले। मौके से बड़े पैमाने पर स्क्रैप का भंडारण और लोडिंग–परिवहन में इस्तेमाल वाहन व मशीनरी भी मिली।

3.22 करोड़ की संपत्ति जब्त

कारवाई में लगभग 250 टन लोहे की प्लेट एवं बीम कटिंग जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब 90 लाख रुपये है। परिवहन व लोडिंग में प्रयुक्त वाहनों व मशीनों समेत कुल 3 करोड़ 22 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

लगातार बदल रहा था ठिकाना

मुख्य आरोपी संजय सिंह, 48 वर्ष, निवासी खुर्सीपार, भिलाई अपराध दर्ज होने के बाद से फरार था। पुलिस से बचने के लिए वह लगातार स्थान बदल रहा था। सूचना पर विशेष टीम ने देवरिया में दबिश देकर उसे हिरासत में लिया। दूसरा आरोपी पिंटू उर्फ उपेंद्र ओझा, 48 वर्ष, निवासी सड़क नंबर 26, सेक्टर–05, भिलाई है। विवेचना में उसकी संलिप्तता सामने आने पर गिरफ्तारी की गई।

इस प्रकरण में पहले 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। पुलिस का कहना है कि बीएसपी से चोरी कर स्क्रैप का अवैध संग्रहण और आर्थिक लाभ लेना ही चोरी का मकसद था।

थाना पुरानी भिलाई की टीम ने इस कारवाई में अहम भूमिका निभाई। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि चोरी, अवैध परिवहन या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

चोरी का नेटवर्क बड़ा हो सकता है, पूछताछ में होगा खुलासा

आरोपी संजय सिंह और उसके बेटे अभय सिंह पर आरोप है कि उन्होंने संगठित तरीके से भिलाई स्टील प्लांट से स्क्रैप लोहा चोरी की योजना बनाई और उसे अलग–अलग माध्यमों से खपाने का प्रयास किया। मामले की जांच में यह भी सामने आ रहा है कि चोरी का नेटवर्क बड़ा हो सकता है और इसमें अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। पुलिस अब इस पूरे गिरोह की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। गिरफ्तारी के बाद इलाके में इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा और सभी आरोपियों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

छग कैडर के आईपीएस सुंदरराज पी को एनआईए में आईजी बनाया गया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर में नक्सल उन्मूलन में निभाई थी अहम भूमिका

छत्तीसगढ़ कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सुंदरराज पी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) में इंस्पेक्टर जनरल (IG) नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है।

सुंदरराज ने बस्तर में नक्सल उन्मूलन और आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके नेतृत्व में नक्सल प्रभावित इलाकों में कई बड़े अभियान चलाए गए, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। बस्तर में शांति स्थापना और कानून–व्यवस्था को मजबूत करने में उनकी भूमिका अहम रही है।

उम्मीद जताई जा रही है कि उनके अनुभव, दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा का लाभ देश की सर्वोच्च जांच एजेंसियों में से एक NIA को भी मिलेगा। ठक्अ में IG के रूप में वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम मामलों की जांच और समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी इस नई नियुक्ति पर अधिकारियों और सहयोगियों ने शुभकामनाएं दी हैं और उज्ज्वल कायर्काल की कामना की है।

जय शक्ति आश्रम निकुम तीर्थराज देवी निकुंभला धाम के संचालक व संस्थापक संतश्री माताजी का निधन

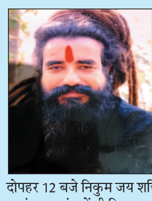

दुर्ग। जय शक्ति आश्रम निकुम तीर्थराज देवी निकुंभला धाम के संचालक व संस्थापक संतश्री माताजी का निधन मंगलवार की देर शाम हो गया। वे 20 मई से रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर में भर्ती थे। उन्हे ब्रेन स्ट्रोक की वजह से गंभीर हालत में भर्ती करवाया गया था। तब से वे कोमा में चले गए थे। संतश्री माताजी की अंतिम यात्रा 17 जून को दोपहर 12 बजे निकुम जय शक्ति आश्रम से निकाली गई। उनका अंतिम संस्कार गांव में ही किया गया। निकुम एक प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक केंद्र है। यह आश्रम क्षेत्र में शांति, लोक कल्याण और धार्मिक अनुष्ठानों का एक प्रमुख केंद्र रहा है। संतश्री माताजी के द्वारा व उनके मार्गदर्शन में जहां समय–समय पर बड़े यज्ञ और महायज्ञ आयोजित किए गए हैं। गणपति भद्रकाल्यै नमः जैसे विशिष्ट महायज्ञों का आयोजन किया जा चुका है। प्रमुख अनुष्ठान और महायज्ञःक्षेत्र में सुख–शांति और अकाल व सूखे से राहत दिलाने के लिए आश्रम में विशेष अनुष्ठान हुए हैं।

दुर्ग को मिलेगी सौगात– बनेगा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम–शिक्षा मंत्री यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले को जल्द ही एक नया अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम मिलने जा रहा है। जिले में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने और स्थानीय खिलाड़ियों को ग्लोबल लेवल की सुविधाएं देने के लिए जिला क्रीड़ांगन समिति की बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव और कलेक्टर सह समिति अध्यक्ष अभिजीत सिंह की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम परिसर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम निर्माण के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई है।

33 वर्षों के लिए BCCI को लीज पर दी जाएगी जमीन

बैठक में तय प्रस्ताव के मुताबिक, वतर्मान परिसर में बने बैडमिंटन कोर्ट की जमीन को छोड़कर बाकी की पूरी भूमि छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के माध्यम से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को सौंपने की तैयारी है। इसके लिए भूमि को 33 वर्ष की अवधि की लीज पर देने का एक औपचारिक प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए राज्य शासन को भेजा जा रहा है।

जर्जर रविशंकर स्टेडियम और मानस भवन ढहाए जाएंगे

परिसर के पुनर्विकास को गति देने के लिए समिति ने कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है। वतर्मान में पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम और मानस भवन की इमारतें अत्यंत जर्जर और अनुपयोगी हो चुकी हैं। इन्हें ढहाकर (अपलेखन कर) नई खेल संरचना के लिए खाली जमीन तैयार की जाएगी। स्टेडियम परिसर में संचालित हो रही व्यावसायिक दुकानों को अनुबंध की शर्तों के तहत एक महीने का नोटिस देकर खाली कराया जाएगा। दुकानदारों की सुरक्षा निधि (सिक्योरिटी डिपॉजिट) का नियमानुसार समायोजन और भुगतान किया जाएगा। प्रस्तावित स्टेडियम के निर्माण में आड़े आ रहे सभी तरह के स्थायी और अस्थायी अतिक्रमणों और अवरोधों को नियमानुसार हटाने की कारवाई की जाएगी।

बैडमिंटन कोर्ट का होगा विस्तार

डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन मद से निर्मित अत्याधुनिक बैडमिंटन कोर्ट के रखरखाव, बेहतर संचालन और खेल गतिविधियों के विस्तार के लिए इसे अब पूर्ण रूप से जिला क्रीड़ांगन समिति को हस्तांतरित करने पर सहमति बन गई है।

स्टेडियम निर्माण और प्रशासनिक समन्वय को सुचारू रूप से चलाने के लिए महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गई हैं। वित्तीय प्रबंधन को पारदर्शी और मजबूत बनाने के लिए जिला कोषालय अधिकारी को समिति का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जर्जर भवनों के अपलेखन, बीसीसीआई/छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ से तालमेल और निर्माण संबंधी विभागीय कार्यों के लिए लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दुर्ग बनेगा छत्तीसगढ़ का नया स्पोर्ट्स हब

इस ऐतिहासिक फैसले पर खुशी जताते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से दुर्ग जिला छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख खेल केंद्रों में शुमार हो जाएगा। इससे हमारे स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की आधुनिक सुविधाएं अपने घर पर ही मिल सकेंगी।

बासीन में पोषण पखवाड़ा सह महिला जागृति शिविर आयोजित, स्वास्थ्य और कानून की दी गई जानकारी

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई, बच्चों का अन्नप्राशन भी हुआ, परियोजना अधिकारी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और बाल विवाह मुक्त छग अभियान पर की चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा परियोजना दुर्ग ग्रामीण के ग्राम पंचायत बासीन स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय पोषण पखवाड़ा सह महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी आरके जामुलकर एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में हुआ।

शिविर का शुभारंभ माता सरस्वती की पूजा से हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे रहीं। अध्यक्षता जनपद पंचायत दुर्ग के सभापति गोकुल वर्मा ने की। जनपद सदस्य पूणिर्मा वर्मा, सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष दिलीप वर्मा, सरपंच चित्ररेखा साहू, पंच अन्नपूर्णा देवांगन, चंद्रकला नवरंगे, अन्नू बंछोर समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

परियोजना अधिकारी उषा झा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान पर चर्चा की। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और बाल विवाह प्रतिषेध अभियान की सराहना की और गीत के जरिए नारी शक्ति का आह्वान किया।

स्वास्थ्य और कानूनी जानकारी

स्वास्थ्य विभाग की डाली साहू ने बताया कि 14-15 वर्ष की किशोरियों को गर्भाशय कैंसर से बचाव के लिए ल्ढश वैक्सीन जिला स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क लगाई जा रही है। पुलिस की रक्षा टीम से दीपक साहू ने साइबर अपराध से बचाव और डिजिटल अरेस्ट जैसी अफवाहों के प्रति सतर्क रहने की जानकारी दी। अधिवक्ता विभा मिश्रा ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम समझाया और बेटों को भी संस्कार देने पर जोर दिया। कउढर टीम ने पॉक्सो एक्ट, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्पॉन्सरशिप योजना और साइबर क्राइम की कानूनी जानकारी दी।

जांच और वितरण

शिविर में 30 महिलाओं की ल्इ जांच और 45 किशोरियों की ल्इ व सिकलिंग जांच की गई। सभी बालिकाओं को सुरक्षा किट दी गई। 4 गर्भवती महिलाओं को पोषण किट देकर गोदभराई कराई गई और 4 बच्चों का अन्नप्राशन किया गया।

प्रतियोगिता और प्रदर्शनी

महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ और मटका फोड़ प्रतियोगिता हुई। कुर्सी दौड़ में दुर्गा प्रथम रहीं। मटका फोड़ में जनता प्रथम और अलका द्वितीय रहीं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम पर रंगोली प्रतियोगिता में सभी बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। आंगनबाड़ी के रेडी टू ईट और नमकीन पौष्टिक दलिया से बने व्यंजनों की प्रदशर्नी भी लगाई गई। कार्यक्रम में पयर्वेक्षक प्रमिला वर्मा, चंद्रकला वर्मा, शशि रैदास, तृप्ति शर्मा समेत ननकट्टी, जेवरा सिरसा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं शामिल हुईं।

खास खबर

गीतांजलि संगीत महाविद्यालय दुर्ग के छात्राओं ने प्रतियोगिता में मारी बाजी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कत्थक रॉकर्स एन युनिक इंस्टीट्यूट ऑफ डान्स, दुर्ग (छग) के तत्वाधान में देहरादून (उत्तराखंड) में आयोजित अखिल भारतीय नृत्य, संगीत एवं कला प्रतियोगिता में गीतांजली संगीत महाविद्यालय, दुर्ग की छात्रा कु. डिंकल मार्कण्डेय, कु. उत्सवी पटेल, कु. नविष्ठा ठाकुर, कु. स्वरा गजभिये (जूनियर ग्रुप) द्वारा नृत्य गुरू कु. विधि इंगले के मार्गदर्शन में कत्थक व भरतनाट्यम मिश्रित नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में यह नृत्य प्रस्तुति एक मात्र विशेष प्रस्तुति रही। इसके अलावा कु. आरना देशमुख द्वारा (जूनियर श्रेणी) में एकल कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया। कलाकारों ने उक्त प्रस्तुति में प्रथम स्थान पाकर न केवल संगीत महाविद्यालय अपितु माता-पिता एवं गुरूजनों को गौरवान्वित किया है। इस सराहनीय प्रस्तुति के लिए गीतांजली संगीत महाविद्यालय दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती रत्ना नारमदेव, प्राचार्य व्ही.एन. भोले, प्रबंधक दिलीप इंगले, सहायक प्रबंधक श्रीमती आरती इंगले, सहसचिव सी.एल. सेन द्वारा छात्र कलाकारों को बधाई दी है।

कांग्रेस के हस्तक्षेप का असर : जिला अस्पताल की मरच्यूरी में पहुंचे नए डीप फ्रीजर, जल्द मिलेंगे 4 और

दुर्ग। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर द्वारा जिला चिकित्सालय की मॉर्चुरी में वर्षो से चली आ रही अव्यवस्थाओं एवं खराब पड़े डीप फ्रीजरों की समस्या को प्रमुखता से उठाने के बाद प्रशासन ने कारर्वाई शुरू कर दी है। कांग्रेस द्वारा किए गए हस्तक्षेप और आंदोलन की चेतावनी के बाद जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में दो नए डीप फ्रीजर स्थापित कर दिए गए हैं, जबकि अस्पताल प्रबंधन ने जल्द ही चार अतिरिक्त डीप फ्रीजर उपलब्ध कराने की जानकारी दी है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिला चिकित्सालय प्रबंधन एवं जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मॉर्चुरी की बदहाल स्थिति, खराब पड़े डीप फ्रीजरों तथा शवों के संरक्षण में आ रही गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया था। कांग्रेस ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि 15 दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनहित में उग्र आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस की इस पहल के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और मॉर्चुरी में दो नए डीप फ्रीजर उपलब्ध करा दिए गए। इससे शवों के संरक्षण की व्यवस्था में सुधार होगा तथा मृतकों के परिजनों को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाती रही है। उन्होंने कहा कि मॉर्चुरी में पर्याप्त डीप फ्रीजर नहीं होने के कारण मृतकों के परिजनों को अत्यंत पीड़ादायक परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा था। यह केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा विषय था, जिसे कांग्रेस ने गंभीरता से उठाया। मॉर्चुरी व्यवस्था का निरीक्षण करने पहुंचे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, महामंत्री रायसिंह ढिकोला, ज्ञानू बांगड़े, उप संरक्षक जीवनदीप समिति दुष्यंत देवांगन, पूर्व कायर्कारिणी सदस्य जीवनदीप समिति राहुल शर्मा, कांग्रेस प्रवक्ता सुशील भारद्वाज एवं आयुष शर्मा उपस्थित रहे।

वरिष्ठजनों का अनुभव और जनता का विश्वास ही विकसित भारत की सच्ची नींव-विधायक

मोदी सरकार के 12 वर्ष : सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के स्वर्णिम कालखंड

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बुधवार को रिसाली स्थित मैत्री कुंज आजाद मार्केट में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया।

विधायक ललित चंद्राकर ने इस दौरान वकील, व्यापारी, किसान, शिक्षक एवं समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों व गणमान्यजनों से आत्मीय भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 12 वर्ष के कायर्काल में शुरू की गई आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना, पीएम स्वनिधि, लखपति दीदी, जनधन योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और लाभार्थियों से फीडबैक लिया।

जनसंपर्क के दौरान श्री चंद्राकर ने कहा कि "विशेष जनसंपर्क अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग से सीधा संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों एवं सुझावों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। वरिष्ठजनों का अनुभव और जनता का विश्वास ही विकसित भारत की सच्ची नींव है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने पिछले 12 वर्षों में अंत्योदय के मंत्र को साकार करते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुंचाया है।"

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश नीतिगत पंगुता और भ्रष्टाचार से जूझ रहा था। मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर नई पहचान बनाई है। राष्ट्रीय राजमार्ग 60% बढ़कर 1.46 लाख किमी हो गए, अर्थव्यवस्था 2 ट्रिलियन से 4 ट्रिलियन डॉलर पहुंची, वढकने डिजिटल क्रांति लाई। कोरोना काल में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन और 220 करोड़ वैक्सीन डोज का रिकॉर्ड बना।

डबल इंजन सरकार से हर जन उत्साहित

श्री चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की भाजपा सरकार गरीब, किसान, महिला और युवा के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। महतारी वंदन योजना से 70 लाख माताओं-बहनों को हर माह 1000 रुपये, कृषक उन्नति योजना से किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान, तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रुपये प्रति मानक बोरा मिल रहा है। इससे हर वर्ग में उत्साह है।

'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान की शुरुआत

विधायक ने बताया कि मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 5 जून से 21 जून तक चल रहे 'बारह साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' महाअभियान के तहत अब 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके तहत भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव, बस्ती-बस्ती जाकर बूथ स्तर तक केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचाएंगे। हर घर में लाभार्थियों से संपर्क कर योजनाओं जानकारी साझा किया जाएगा।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष एकनाथ अनुपम साहू, महामंत्री गुड्डू झा, नेताप्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद माया यादव, रमा साहू, सविता धवस, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत, प्रेमचंद साहू, अजीत चौधरी, खिलेश्वरी ढालेंद्र, संध्या वर्मा, राजेश्वरी पसीने, तरसेम कौर, धनेश्वरी नेताम, ऊषा साहू, हरीश चंद्र, राणा मुखर्जी, अमित वर्मा, उत्कर्ष तिवारी, हर्ष डोंगरे, केपी बघेल, विकास कुलश्रेष्ठ, सोनू राम सिंह, संतोष चौधरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा के ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा की दिशा में कदम बढ़ा रही है - डॉ. प्रतीक उमरे

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ.प्रतीक उमरे की उपस्थिति में पोटिया स्थित प्राथमिक पाठशाला में शाला प्रवेश उत्सव हर्षोउल्लास से मनाया गया। माता सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर डॉ. प्रतीक उमरे ने विद्याथिर्यो का अभिनंदन करते हुए उनको उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दिया तथा साथ ही विद्याथिर्यो को प्रोत्साहन के लिए पेंसिल बॉक्स वितरित किया।

उन्होंने नवप्रवेशी बच्चों को नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं देने के साथ ही अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सहयोग की भी अपील किया।नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर एवं गणवेश भेंट कर अभिनंदन करते हुए डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव न केवल बच्चों के लिए एक यादगार शुरुआत है,बल्कि यह हमारी शिक्षा प्रणाली में सामुदायिक भावना और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का भी एक अवसर है।

अच्छी शिक्षा ही छात्र के जीवन के विकास का आधार है।जब बच्चे पहली बार स्कूल आते हैं, उस समय उनके मन में असीम खुशियां,आकांक्षाएँ एवं भविष्य के लिए सपने छुपे रहते हैं।अपनी शिक्षा के बलबूते पर छात्र ऊंचाईयों तक पहुंच सकते हैं।शिक्षा के बिना विकास की कल्पना अधूरी है,पढ़ लिखकर ही बच्चे विकास की मुख्य धारा से जुड़ सकते हैं।

बच्चों के भविष्य पर ही देश का भविष्य निर्भर है,अतः हमारा कर्तव्य है कि शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चों को शाला में प्रवेश दिलाते हुए उसे बेहतर शिक्षा प्रदान करें साथ ही बच्चों को नियमित विद्यालय आने और बेहतर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करें।राज्य सरकार का लक्ष्य है कि 6 से 14 वर्ष की आयु का हर बच्चा स्कूल में हो और कोई भी शिक्षा से वंचित न रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भाजपा सरकार गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। विशेष रूप से पार्षद सविता साहू, युवा नेता लवकुश देशमुख, प्रधान पाठक संध्या साहू, लीलाधर चंद्राकर, हेमंत धनकर, गोपाल ध्रुव, महेश साहू उपस्थित व छात्रों के परिजन उपस्थित थे।

किसानों को जरूरत के मुताबिक खाद-बीज दें, स्कूलों की व्यवस्था सुधारें : संभागायुक्त राठौर

संभाग स्तरीय बैठक में दिए निर्देश, जलाशयों में सिंचाई के लिए पानी रखने को कहा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने सोमवार को संभागीय कार्यालय में अधिकारियों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि सभी जिलों में किसानों को खरीफ सीजन के लिए आवश्यकता अनुसार खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही स्कूल खुलते ही व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा।

खाद-बीज की स्थिति

संयुक्त संचालक कृषि ने बताया कि दुर्ग संभाग में 79% लक्ष्य के विरुद्ध 70% खाद का भंडारण हो चुका है और अब तक 49% खाद का वितरण किया जा चुका है। संभाग के सभी जिलों में खाद एवं बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। यूरिया का वितरण शासन के निर्देशानुसार किया जा रहा है। दीर्घ श्रेणी के कृषकों को दो किश्तों में और लघु श्रेणी के कृषकों को रकबे के आधार पर एकमुश्त यूरिया दी जा रही है।

बीज का 81% भंडारण हो चुका है। बीज निगम ने किसानों की मांग के अनुरूप 50% प्रमाणित बीज बांट दिया है। अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। धान की किस्म स्वर्णा और एमटीयू-1001 की मांग सबसे ज्यादा है।

जलाशय और स्कूलों पर निर्देश

संभागायुक्त ने मानसून को देखते हुए जलाशयों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग से कहा कि स्कूल खुलने के साथ ही व्यवस्थाएं बेहतर की जाएं। मध्यान्ह भोजन के लिए शहरों की तरह गांवों में भी अक्षय पात्र की सेवाएं ली जा सकती हैं।

अन्य निर्देश

उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत समूह जल प्रदाय योजना से गांवों में पेयजल उपलब्ध कराने के काम में तेजी लाने को कहा। सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली से काम करने और सुशासन तिहार में मिले आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में उपायुक्त राजस्व पदुमलाल यादव, उपायुक्त विकास संतोष ठाकुर समेत सभी विभागों के संभाग स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

भाजपा महिला मोर्चा दुर्ग ने आयोजित किए विविध कार्यक्रम

महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और जनजागरण पर केंद्रित रही गतिविधियां

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, दुर्ग द्वारा महिला सशक्तिकरण और जनजागरण को केंद्र में रखते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। यह आयोजन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के निर्देशानुसार, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के मार्गदर्शन तथा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए रंगोली, पेंटिंग और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिले के सभी 17 मंडलों से आई प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महिला मोर्चा की जिला महामंत्री एस. ममता राव ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में दुर्ग महापौर अलका बाघमार उपस्थित रहीं। उन्होंने महिलाओं से जुड़े सामाजिक विषयों पर विचार साझा किए।

इस अवसर पर महिला स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पोषण आहार और कुपोषण उन्मूलन जैसे विषयों पर संवाद एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और महिला हित से जुड़े प्रयासों पर अपने विचार रखे। समापन अवसर पर महिला मोर्चा की महामंत्री भारती ने अतिथियों, प्रतिभागियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र...../अ-27/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक - दया सिंह आ./ध.प.नगीना सिंह निवासी - कैलाश नगर औ. क्षेत्र भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 5371/135द्वारा ग्राम 5371/135 रकबा 0.1871 हे.भूमि दया सिंह / नगीना सिंह के नाम पर शमिलात खातें में दर्ज है। उपर वर्णित भूमि को खातेदारों द्वारा आपसी सहमती के अनुसार खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 25/06 /2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालयमें मामला क्रमांक-202606101000102

विषयः- अ-6 अ
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
कुरूद प.ह.नं. 00046 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार- रागिनी यादव,
अनावेदक पक्षकार -

-:: ईश्तहार ::-

आवेदक - रागिनी यादव पिता/पति/विभाग- मकरध्वज सिंह यादव पता-केम्प ०२ भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 1542/7 रकबा 1250 वर्गफीट आवेदिका के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में आवेदिका का नाम रागिनी यादव के स्थान पर रागनी यादव दर्ज हो गया है, जो त्रुटिपूर्ण है। जिसे सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है!

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 06/07/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा का

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/06/2026 को जारी किया जाता है।

डिकेश्वर साहू
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग!!

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामेश्वर ठाकुर पिता स्व. श्री बसोड़ पन्दरे निवासी केम्प 02 भिलाई द्वारा अपने माता संतो बाई पति स्व. बसोड़ पन्दरे की मृत्यु दिनांक 12.02.2025 को होने कारण एवं भूलवश मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 18.06.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग!!

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र./202606101000129 /अ-6-वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सरोज कुमार निषाद पिता स्व. अगनूराम निषाद निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 8384 रकबा 0.020 हे. भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06.07.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

पुलिस की पहचान नागरिक को सुरक्षा व न्याय दिलाना और नैतिकता से बड़ा कोई बल नहीं होता– विजय

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा 33 प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों के बुनियादी प्रशिक्षण सत्र शुभारंभ में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में आज वर्ष 2021 एवं वर्ष 2024 के छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित 33 उप पुलिस अधीक्षकों के बुनियादी प्रशिक्षण का नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी चंदखुरी में शुभारम्भ हुआ। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि आप सभी ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से इस प्रतिष्ठित सेवा में स्थान प्राप्त किया है। यह केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि एक सेवा, एक दायित्व, और एक बड़ी जिम्मेदारी है। इस समारोह में पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, अति. पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण दीपाशु काबरा उपस्थित हुए। साथ ही अकादमी के महानिदेशक अजय यादव, वरिष्ट पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमति सोनिया उके एवं अकादमी के समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कि आज का दिन न केवल आप सभी नव-नियुक्त उप पुलिस अधीक्षकों के लिए, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप सभी ने कठिन परिश्रम, लगन और समर्पण के बल पर इस प्रतिष्ठित पद को प्राप्त किया है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नैतिकता से बड़ा कोई बल नहीं होता, आज नवीन समाज की आवश्यकता को समझना और उसके आधार पर संवेदनशीलता पूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। पुलिस केवल कानून का पालन करवाने वाली संस्था नहीं, बल्कि समाज की रक्षा करने वाली एक शक्ति है। हमें न केवल अपराध को रोकना है, वल्कि जनता में विश्वास और सुरक्षा की भावना को भी मजबूत करना है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस की पहचान न केवल कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में है, बल्कि राज्य के हर नागरिक को सुरक्षा एवं न्याय दिलाने में भी है। हमारी चुनौती केवल अपराधों पर नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें समाज के विश्वास को बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। पुलिसिंग आज केवल शारीरिक साहस तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आधुनिक तकनीकों का उपयोग, साइबर अपराधों से निपटने की दक्षता और सामुदायिक जुड़ाव भी शामिल है।

पुलिस पर राष्ट्र सेवा, समाज सेवा का दायित्व–अरुण देव गौतम

इस अवसर पर राज्य के पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम द्वारा कहा गया कि आज का दिन छत्तीसगढ़ पुलिस परिवार के लिए अत्यंत गौरव और उत्साह का अवसर है। आपने कठिन प्रतियोगी परीक्षा, अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर यह स्थान प्राप्त किया है। आज से आपका जीवन केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और कानून के शासन को सुदृढ़ करने के महान दायित्व से जुड़ रहा है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी के निदेशक श्री यादव में अपने उद्बोधन में कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी चंदखुरी में प्रदेश के विभिन्न जिलों से कुल 33 अभ्यर्थी उप पुलिस अधीक्षक बुनियादी प्रशिक्षण हेतु उपस्थित हुये हैं। अधिकांश प्रशिक्षु इंजीनियरिंग में शिक्षा प्राप्त किये हैं। संस्था के निदेशक द्वारा उप. पुलिस अधीक्षकों के 02 वर्षों के पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई कि प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक किन-किन विषयों का अध्ययन करेंगे एवं जिला व्यवहारिक प्रशिक्षण में क्या-क्या प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. अभिषेक पल्लव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नेताजी सुभाष चंद्र बोसश राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इसके पश्चात अकादमी परिसर में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नीम के पौधे का रोपण किया। इसके साथ ही पुलिस अधिकारियों एवं प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों द्वारा 100 पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से संत–महात्माओं ने की मुलाकात, आध्यात्मिक शिक्षा को बढ़ावा देने के निर्णय पर जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर स्वामी राजीव लोचन दास महाराज, निर्वाणी अखाड़ा के महंत सुरेंद्र दास महाराज, शदाणी दरबार से उदय लाल तथा कबीर आश्रम सोनपैरी के देवकर साहब ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर संत-महात्माओं ने छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं नैतिक शिक्षा से जुड़े पारंपरिक श्लोकों और मंत्रों को पुनः शामिल किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

संतों ने कहा कि पूर्व में विद्यालयों में विद्यार्थियों को "गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर" जैसे मंत्रों एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया जाता था, जिससे बच्चों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास होता था। समय के साथ ये परंपराएं शैक्षणिक वातावरण से धीरे-धीरे विलुप्त होती गईं, किंतु अब राज्य सरकार द्वारा इन्हें पुनः स्थापित करने की पहल अत्यंत स्वागतयोग्य है। संत समाज ने कहा कि विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र तथा अन्य प्रेरणादायी वैदिक एवं सांस्कृतिक प्राथर्नाओं का समावेश बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ सकेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के विकास का आधार भी है। हमारी सरकार बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र एवं अन्य प्रेरणादायी प्रार्थनाओं के समावेश से विद्यार्थियों में अनुशासन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का विकास होगा। यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए एक संस्कारित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संत-महात्माओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को इस पहल के लिए साधुवाद देते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया तथा कहा कि यह निर्णय प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक विरासत को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित

बेमेतरा। जिले की एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा अंतर्गत वतर्मान में नवीन स्वीकृत पद एवं रिक्त पद हेतु आ.बा. सहायिका के पद पर शासन द्वारा निर्धारित निर्देश एवं मानदंडों के अनुसार नियमानुसार नियुक्ति किया जाना हैं। इसके अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम पंचायत मुटपुरी आंगनबाड़ी केंद्र मुटपुरी 1 मे आं.बा. सहायिका के 01 पद पर आवेदन आमंत्रित किया गया हैं। आवेदन संबंधित नगरीय की आवेदिकाओ द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में 16 जून 2026 से 01 जुलाई 2026 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय बेमेतरा में कार्यालयीन समय 10 से 5:30 बजे तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जमा किये जायेगे।

दो पुर्नवासित जोड़ों ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम से दाम्पत्य जीवन की शुरुआत की

टाऊन हाल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक किरण सिंह देव ने नव विवाहितों को दिया आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जगदलपुर

मुख्यमंत्री कन्या विवाह' राज्य सरकार द्वारा चलाई जाने वाली एक कल्याणकारी योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य गरीब, निराश्रित, और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह योजना मुख्य रूप से सामूहिक विवाह के माध्यम से सम्पन्न होती है, जिससे गरीब परिवारों पर विवाह का भारी आर्थिक बोझ कम हो सके और फिजूलखर्ची पर रोक लगे।

17 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

जगदलपुर स्थित पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार (टाउन हॉल) में सोमवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत एक भव्य और गरिमामय सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर मंत्रोच्चार और शहनाई की गूंज के बीच कुल 17 जोड़े सदा-सदा के लिए एक-दूसरे के साथ दाम्पत्य सूत्र में बंध गए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने नवविवाहित जोड़ों के ऊपर अक्षत और पुष्प वर्षा कर उन्हें सुखी और समृद्ध दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया।

दो पुनर्वासित जोड़ों ने भी गृहस्थ जीवन को अपनाया

इस विवाह समारोह की सबसे अनूठी और गौरवशाली विशेषता यह रही कि इसमें पुनर्वासित 2 विशेष जोड़े भी शामिल हुए। नारायणपुर जिले में आत्मसमर्पण करने वाले इन पूर्व नक्सली दंपत्तियों में पिलसाय सलाम संग सिरबत्ती और पतिराम संग मनाय कश्यप शामिल हैं, जिन्होंने गृहस्थ जीवन अपनाकर समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। विधायक किरण सिंह देव ने इन जोड़ों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत ऐसे कदमों से बस्तर में शांति और खुशहाली के एक नए युग की शुरुआत हो रही है।

बेटियों का सम्मानपूर्ण विवाह समाज का सबसे पुनीत कार्य

विवाह समारोह को संबोधित करते हुए जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि बेटियो का विवाह सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है। हमारी संवेदनशील सरकार के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े जी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत विवाह हो रहा है। इस योजना के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्ण विवाह कराना समाज का सबसे पुनीत कार्य है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलती है।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, जनपद अध्यक्ष पदलाम नाग, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम कश्यप, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, नवविवाहित जोड़ों के परिजन तथा बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने वर-वधू को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

बालोद की विशाल सिंचाई परियोजनाओं और जल प्रबंधन का मिलेगा सजीव अनुभव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बालोद

बालोद में संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में आज जल प्रबंधन और सिंचाई प्रणाली को दर्शाने वाली तांदुला कॉम्प्लेक्स मॉडल प्रदशर्नी का शुभारंभ हुआ। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अचर्ना कर इस ज्ञानवर्धक मॉडल को अवलोकनार्थ समर्पित किया।

इस मॉडल के माध्यम से कोई भी व्यक्ति जिले की वृहद सिंचाई परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और जल वितरण प्रणाली को आसानी से समझ सकता है। इस आकर्षक मॉडल में तांदुला जलाशय के साथ-साथ गोंदली और खरखरा जलाशय की भौगोलिक स्थिति को बेहद बारीकी से दर्शाया गया है। गंगरेल बांध से नहरों के माध्यम से आने वाले पानी के प्रवाह और सिंचाई नहरों के नेटवर्क को स्पष्ट रूप से दिखाया गया है।

भिलाई स्टील प्लांट को की जाने वाली जल आपूर्ति के साथ ही दुर्ग और बेमेतरा जिलों में सिंचाई एवं तालाबों को भरने की पूरी प्रक्रिया को बखूबी प्रदर्शित किया गया है। आमजनों की जानकारी बढ़ाने के लिए मॉडल में इन सभी जलाशयों के निर्माण वर्ष और उनकी जल भराव क्षमता का भी स्पष्ट उल्लेख किया गया है।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष, और जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता पीयूष देवांगन सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा हर नागरिक : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ली कोर ग्रुप की बैठक, संगठनात्मक मजबूती और सरकार की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को रायपुर जिला ग्रामीण भाजपा कोर ग्रुप की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। इस बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी अभियानों की काययीजना और केंद्र व राज्य सरकार की जनहितैषी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा, "केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ और राज्य सरकार के लोकलुभावन फैसलों ने छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदली है। इन उपलब्धियों को जन-जागरण अभियान के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है।"

संगठनात्मक मजबूती ही हमारी शक्ति

श्री अग्रवाल ने उन्होंने संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को सक्रियता बढ़ाने और बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर तक संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, "रायपुर जिला ग्रामीण क्षेत्र में संगठन को एक नई ऊर्जा और सक्रियता के साथ कार्य करना होगा ताकि केंद्र की राष्ट्रीय नीतियों और राज्य सरकार के जनसेवा कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जा सके।"

आगामी अभियानों की रूपरेखा

बैठक में आगामी समय में चलाए जाने वाले विभिन्न अभियानों पर भी मंथन हुआ। श्री अग्रवाल ने आह्वान किया कि वे जनसंपर्क अभियानों के जरिए जनता के बीच अपनी पैठ और मजबूत करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के विजन और राज्य सरकार के विकास कार्यों के बीच बेहतर तालमेल बिठाकर जनता के विश्वास को और अधिक पुख्ता करना है।

बैठक में मंत्री टंक राम वर्मा, मंत्री गुरु खुशवंत साहब विधायक अनुज शर्मा, अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सह संभाग प्रभारी राजीव सिंह, रायपुर ग्रामीण जिला प्रभारी सुरेंद्र पाटनी, जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्याम नारंग उपस्थित रहें।

कृषि की नवीनतम व आधुनिक तकनीकों को अपनाएं किसान : विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

कृषि विज्ञान केन्द्र सुरगी में जैविक कृषि कार्यशाला सह कृषक सम्मेलन आयोजित, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, नवाचार एवं उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सुरगी मॉडल बना प्रदेश में मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव जिला के कृषि विज्ञान केन्द्र, सुरगी में आयोजित जैविक कृषि कार्यशाला सह कृषक सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उनका खुमरी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभिन्न कृषि एवं जैविक उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वतर्मान में यूरिया की बाजार कीमत लगभग 2,220 रुपए प्रति क्विंटल है, किंतु केंद्र सरकार की सब्सिडी नीति के कारण किसानों को यह मात्र 266 रुपए में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ते हुए गोबर खाद एवं जैविक खाद का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए।

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव जिले में कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र, सुरगी आज प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। यहां छह राज्यों के विद्यार्थी अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुरगी उनका गोद ग्राम है, जहां निरंतर विकास कार्य संचालित किए जा रहे हैं। सुरगी-खरखरा डायवर्सन नहर लाईनिंग का 19 करोड़ रुपए का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। वहीं शिवनाथ डायवर्सन से जुड़ी मुख्य नहर एवं लघु नहरों का कार्य लगभग 27 करोड़ रुपए की लागत से कराया जा रहा है, जिसका 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

उन्होंने बताया कि सुरगी सौर चलित सिंचाई परियोजना, कृषि महाविद्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हाई स्कूल, विद्युत उपकेन्द्र, शौचालय उन्नयन तथा विभिन्न अधोसंरचनात्मक कार्यों सहित ग्राम पंचायत सुरगी में करोड़ों रुपए के विकास कार्य संपादित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्नत खेती, नवाचार, उत्पादन क्षमता वृद्धि, कम लागत में बेहतर उत्पादन तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग के कारण सुरगी मॉडल प्रदेशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ड्रोन एवं आधुनिक मशीनों के माध्यम से कृषि कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसानों को नई तकनीकों का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कृषकों से कायर्शाला में प्राप्त ज्ञान एवं तकनीकों को अपने खेतों में लागू करने का आह्वान किया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि प्राकृतिक खेती वतर्मान समय की आवश्यकता है। रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए गोबर, गौमूत्र से निर्मित जीवामृत एवं नीमास्त्र के उपयोग के लाभ बताए। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में जिले में लगभग 550 हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती की जा रही है, जिसका प्रमाणीकरण भी कराया जा रहा है। उन्होंने ग्राम भर्रेगांव की महिला स्व-सहायता समूह द्वारा प्राकृतिक उत्पाद निर्माण एवं विपणन के कार्य की सराहना की।

समाजसेवी कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास, विश्वास एवं जनकल्याण की भावना के साथ कार्य किए जा रहे हैं। कृषि प्रधान क्षेत्र सुरगी में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ मिल रहा है।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने बताया कि खरीफ वर्ष 2025 में धान विक्रय करने वाले 1 लाख 24 हजार 101 किसानों को कृषक उन्नयन योजना के तहत 1,484 करोड़ रुपए की राशि उनके खातों में अंतरित की गई। किसानों को 454.12 करोड़ रुपए की अंतर राशि का भुगतान भी किया गया। उन्होंने बताया कि खरीफ 2026 में धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, लघुधान्य एवं कपास की खेती करने वाले कृषकों को 15 हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है, जो पूर्व में 11 हजार रुपए प्रति एकड़ थी। इसके अतिरिक्त सभी प्रकार की खरीफ फसलों पर 10 हजार रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है।

कलेक्टर ने बताया कि जिले के किसानों ने रबी वर्ष 2025-26 में लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र में फसल चक्र परिवर्तन करते हुए मक्का, चना, मसूर एवं सरसों जैसी फसलों की खेती कर 19 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की उपज का विक्रय कर नया कीतिर्मान स्थापित किया है। पीएम-आशा योजना के तहत जिले में पहली बार दलहन एवं तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई, जिसके अंतर्गत 16,224 क्विंटल चना, मसूर एवं सरसों का उपार्जन कर किसानों को 9.37 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ मिला। उन्होंने बताया कि पॉपकॉर्न कंपनी के साथ अनुबंध के माध्यम से किसानों से 5 करोड़ रुपए मूल्य का मक्का खरीदा गया है तथा भविष्य में सोयाबीन की खरीदी भी की जाएगी।

उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि खरीफ 2026 के लिए जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक एवं बीज उपलब्ध हैं। समितियों के माध्यम से 45,650 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 34,480 मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण तथा 26,183 मीट्रिक टन का वितरण किया जा चुका है। किसानों को समय पर कृषि ऋण, उन्नत बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में 43 नई सेवा सहकारी समितियों की स्थापना की गई है।

कार्यक्रम में कृषक एनेश्वर वर्मा एवं प्राकृतिक खेती से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती नीता साहू ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव के अध्यक्ष सचिन बघेल, उपाध्यक्ष भरत वर्मा, संतोष अग्रवाल, कृषक प्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

संपादकीय

कब क्या बोलना है, कैसे बोलना है, और कितना बोलना है

राजनीति में दो पक्ष होते हैं, एक सत्ता पक्ष होता है और विरोधी पक्ष होता है। दोनों बोलते हैं और एक दूसरे के बोलने पर खूब बोलते हैं। राजनीति में बोलना जरूरी होता है,हर जगह बोलना पड़ता है,न चाहकर भी कोई सवाल पूछता है तो कुछ तो बोलना पड़ता है ।सत्ता पक्ष के लोगों को बोलना जरूरी होता है,वह नहीं बोलेंगे तो आलोचना होगी और बोलने में चूक जाएंगे तो आलोचना होगी। नहीं बोलेंगे तो मीडिया आलोचना करेगा कि मीडिया के सवालों का जवाब नही दिया जाता है। पद मिल गया है तो मीडिया का सम्मान नहीं करते हैं, सत्ता मिल गई है मीडिया का सम्मान करना बंद कर दिया है। मीडिया के सवालों का जवाब देने में चूके तो विपक्ष ताक में बैठा रहता है कि कोई मंत्री बोलने में चूक तो करे तो सरकार को घेरने का मौका मिले। किसी न किसी विधायक,सासंद, मंत्री से चूक हो ही जाती है और शुरू हो जाता है राजनीतिक बवाल का दौर।

भाजपा में नेताओं,कार्यकर्ताओं को आए दिन प्रशिक्षित किया जाता रहता है,उन्हें संगठन को मजबूत करने,जनता के सामने कैसा व्यवहार करने, जनता के बीच उनकी भाषा क्या होनी चाहिए आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है ।बड़े पद पर लोगों को अलग से चतुराई से जवाब देने के प्रशिक्षण देने की जरूरत है क्योंकि उनको कई बार किसी सवाल का जवाब देते हैं तो यही पता नहीं रहता है कि उनको जवाब में क्या कहना है और वह क्या कहेंगे तो विवाद शुरू हो सकता है और सरकार और उसकी योजना पर सवाल उठाया जा सकता है। वह कहने से पहले सोचते नहीं है कि उनके किसी जवाब का विपक्ष क्या उपयोग कर सकता है ।आबकारी मंत्री ने शनिवार को मीडिया से चर्चा करते हुए कहा था कि आबकारी व खनिज विभाग का राजस्व बढ़ रहा है,जिससे जनकल्याणकारी योजनाएं चल रहीं हैं ।इस दौरान उन्होंने महतारी वंदन योजना और कृषक उन्नति योजना में किसानों को मिलने वाली राशि का उल्लेख किया था ।आबकारी मंत्री ने सही कहा है कि आबकारी व खनिज विभाग का राजस्व बढ़ रहा है और इससे जनकल्याणकारी योजनाओं चल रही है।

उनसे चूक यह हुई है कि उनको यह नहीं कहना था कि आबकारी व खनिज विभाग का विभाग का राजस्व बढ़ रहा है,उनको तो इतना ही कहना था कि सरकार का राजस्व बढ़ रहा है या जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पैसों का इंतजाम करने के लिए सरकार ने अपनी आय बढ़ाई है और आय बढ़ने के कारण जनकल्याणकारी योजनाओं को तहत लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उनको आबकारी राजस्व का नाम नहीं लेना था और महतारी वंदन योजना का जिक्र नहीं करना था। उनसे चूक यह हुई कि उन्होंने आबकारी राजस्व की नाम लिया और महतारी वंदन योजना का नाम लिया और विपक्ष को राजनीति करने का,सरकार को घेरने का, एक योजना को लेकर सवालिया निशान खड़ा करने और महिलाओं को भड़काने का मौका मिल गया। जब एक कलेक्टर के बयान को लेकर महिलाओं मे पहले से गुस्सा था कि शराब के राजस्व से ही महिलाओं को महतारी वंदन का पैसा दिया जाता है। ऐसे में मंत्री के बयान से कांग्रेस को राजनीति करने और महिलाओं को भड़काने का मौका मिल गया और मौका मिलने पर कांग्रेस चूकती भी नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस के संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने सवाल उठाया है कि क्या छत्तीसगढ़ की माताओं,बहनों को मिलने वाली सम्मान राशि शराबियों की जेबों से आ रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के ढोंग के बीच शराब की बिक्री तो बढ़ावा देकर उनके घरों को उजाड़ा जा रहा है। इससे महिलाओं में नाराजगी तो फैल सकती है क्योंकि राज्य की महिलाएं घर के लोगों के शराब पीने और घर में अशांति होने से परेशान हैं ।अगर उनके बीच प्रचार किया जाए कि शराब की कमाई से नारी वंदन योजना का पैसा दिया जा रहा है तो कौन महिला ऐसा पैसा लेना पसंद करेंगी। कांग्रेस ने वादा किया था कि शराबबंदी का तो महिलाओं ने कांग्रेस को खूब सारा वोट दिया था। कांग्रेस ने शराबबंदी नहीं की तो महिलाओं ने कांग्रेस को वादाखिलाफी की सजा चुनाव में हराकर दी थी। कांग्रेस ने महिलाओं से वादाखिलाफी कर महिलाओं को नाराज किया था इसलिए सरकार के किसी मंत्री को ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए जिससे कांग्रेस को महिलाओं को भड़काने का मौका मिले और महिलाएं नाराज होकर सरकार के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा उन्होंने कांग्रेस सरकार के साथ किया है।

कोई भी सरकार हो उनको महिलाओं के किसी भी मामले में जरा सी भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। महिलाएं बहुत संवेदनशील होती हैं ।उनसे जुड़े मामलों में सरकार को सबसे ज्यादा संवेदनशील होना चाहिए। महिलाएं गुस्सा होती हैं तो वह माफ नहीं करती है। इसलिए उनको गुस्सा होने का कोई मौका नहीं देना चाहिए। साय सरकार से दूसरी यह चूक हुई है कि वह विभाग के अधिकारियों पर भरोसा करती है और वही अधिकारी सरकार की छवि को अपनी लापरवाही से सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। महिला व बाल विकास विभाग को सामूहिक विवाह में महिलाओं को नकली चांदी के मंगलसूत्र देने की कोई जरूरत नहीं थी,उन्होंने मान लिया था कि वह जो कर रहे हैं,उसका किसी को पता नहीं चलेगा लेकिन वह भूल गए कि जब महिलाओं का पता चलेगा कि सरकार ने नकली चांदी का मंगलसूत्र दिया था तो यह तो हमेशा के लिए सरकार के दामन पर दाग लग जाएगा। अब कह रहे हैं कि चांदी महंगी हो गई थी इसलिए ऐसा किया. लापरवाही स्वीकार कर लेने से हमेशा कहा तो जाएगा कि सामूहिक विवाह में भाजपा सरकार के समय नकली चांदी का मंगलसूत्र दिया गया था। इससे तो विपक्ष को भी भाजपा सरकार की हंसी उड़ाने का मौका हमेशा के लिए मिल गया है।

एसआईआर की तार्किकता और विरोध का प्रश्न

प्रमोद जोशी

हालांकि, एसआईआर नागरिकता की परीक्षा नहीं है, लेकिन इसके मार्फत ह्यनागरिकता की सीमित जांचह्ण का आधार बना सकता है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने के बाद से एक वर्ग के मन में संशय हैं। खबरें हैं कि बिहार और बंगाल की नई सरकारों ने घोषणा की है कि मतदाता सूची से जिनके नाम कट गए हैं, उन्हें सरकारी लाभ नहीं मिलेंगे।

हाल ही में इंडिया गठबंधन ने पांच-सूत्री प्रस्ताव पारित किया, जिसमें एक यह भी है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा जाएगा। यह गठबंधन एसआईआर को वोट चोरी मानता है। इसके कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को लेकर चुनाव-आयोग को क्लीन-चिट दी है। प्रश्न है कि ऐसे में पत्र लिखने से मिलेगा क्या ? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है, हम इसे वोट लूट की कोशिश मानते हैं। भारत में घुसपैठ और नागरिकता रजिस्टर पिछले कई दशकों से बहस में हैं। यह बहस अब मतदाता सूची की बहस के साथ जुड़ गई है। एसआईआर के देश में दो दौर हो चुके हैं और तीसरा शुरू हो गया है। पहला दौर मुख्यतः बिहार-केंद्रित था, जो जून से सितंबर, 2025 तक चला। 27 अक्तूबर से दूसरा दौर शुरू हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत, नौ राज्य और तीन केंद्र-शासित क्षेत्र शामिल थे।

गत 14 मई को निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के तीसरे दौर की भी घोषणा कर दी, जिसमें सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों को कवर किया गया है। इसके पूरा होने के बाद जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर पूरे देश में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके साथ इस प्रक्रिया को बहस नए सिरे से शुरू होगी, जिसकी अनुगूंज संसद के मॉनसून सत्र में सुनाई पड़ेगी।

शिकायतें पहले दौर के पहले से ही शुरू हो गई थीं, पर पश्चिम बंगाल का विवाद सुप्रीम कोर्ट तक गया। इस दौर में करीब 27 लाख वोटरों ने अपने नाम कटने को चुनौती दी। वे विधानसभा चुनाव में वोट नहीं दे पाए, क्योंकि उनकी सुनवाई के लिए नियुक्त न्यायाधिकरण इस काम को पूरा नहीं कर पाए। यह काम चुनाव परिणाम आने के बाद भी चल ही रहा है। इन 27 लाख में 60 प्रतिशत से ज्यादा वोटरों की सूची में वापसी हो चुकी है और अंतिम समाचार मिलने तक न्यायाधिकरणों की प्रक्रिया जारी है। सवाल है कि उनकी सुनवाई के लिए नागरिक-प्रशासन पर राज्य सरकार ने भरोसा क्यों नहीं किया ? चुनाव-आयोग की व्यवस्था है कि लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के कारण कोई नाम अनमैप्ड रह जाए, तो एक सूची में वर्णित दस्तावेजों में से कोई एक देकर अपने नाम को बनाए रखा जा सकता है। पर बंगाल में अविश्वास इतना गहरा था कि उस रास्ते पर जाने के बजाय लंबे रास्ते को अपनाया गया, जिसकी वजह से बड़ी संख्या में लोग वोट नहीं दे पाए।

कई तरह के सवाल सभी पक्षों से हैं। आयोग ने सूची के गहन-संशोधन के लिए पर्याप्त समय क्यों नहीं दिया ? 2002 और 2003 की मतदाता सूचियों तक पहुंच पाना आसान काम नहीं है। पुरानी सूचियां जिस तरीके से बनाई गईं हैं, उनमें नाम, पते और वोटर कार्ड की संख्या खोजना खासा मुश्किल काम है। सामान्य नागरिक कागज-पत्रों के आदी नहीं हैं, उनके लिए यह प्रक्रिया आसान नहीं है। देश की आम जनता दस्तावेजों की अभ्यस्त नहीं है। लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी को दूर करने के लिए दस्तावेजों को भी आसान बनाने की जरूरत है। वोटर को पुरानी सूची में अपना नाम खोजने में दिक्कत होती है। उसकी मदद की जानी चाहिए। आयोग की वेबसाइट को सरल बनाने और इस काम को करने वाले बीएलओ को बेहतर तरीके से तैयार करने की जरूरत भी है।

विरोधी-दलों ने इसे वोट चोरी साबित करते हुए, राजनीतिक सवाल बनाया। चुनाव-आयोग, उसकी प्रक्रिया और ईवीएम की साख पर लगातार हमले हो रहे हैं। इस बात को उन्हें सुप्रीम कोर्ट में साबित करना होगा। जब उन्हें विजय मिलती है, तब वे सवाल करते, क्यों नहीं करते ? दिसंबर में लोकसभा में चुनाव-सुधारों पर हो रही बहस के दौरान एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, मैं इसी मशीन से चुनकर आई हूं, इसलिए मैं ईवीएम या वीवीपैट पर सवाल नहीं उठाऊंगी।

सवाल हैं भी, तो उन्हें या तो आयोग और या फिर सुप्रीम कोर्ट में उठाना चाहिए। पर अब तो अदालती फैसलों पर भी संदेह पैदा किया जाता है। कहा जा रहा है कि आयोग को एसआईआर कराने का अधिकार है ही नहीं। फिर मतदाता सूची में संशोधन या सुधार कैसे होगा ? सोशल मीडिया के शोर ने स्थितियों को और बिगाड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने अब 27 मई को याचिकाकर्ताओं के ज्यादातर तर्कों को मानने से इनकार कर दिया। वहीं चुनाव-आयोग के तर्कों को स्वीकार किया और उन्हें और स्पष्ट किया। हालांकि यह मामला बिहार में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के नियम को लागू करने से संबंधित था, लेकिन अदालत में विचारार्थ रखे गए मुद्दे और उसके निष्कर्ष देश भर की मतदाता सूचियों में नाम दर्ज कराने के अधिकार पर दूरगामी प्रभाव डालेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि आयोग का संवैधानिक दायित्व है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करे। यह बात भी निर्विवाद है कि जिस मतदाता सूची पर चुनाव आधारित हैं, वह सटीक और विश्वसनीय होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल ने, इन सिद्धांतों या मान्यताओं पर सवाल नहीं उठाया है। इस बात को भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि आयोग की भारत के लोकतांत्रिक विकास में अग्रणी भूमिका है। और यह भी कि बड़े पैमाने पर प्रवासन, तीव्र शहरीकरण, अवैध सीमा पार आवागमन, मृत्यु की सूचना न देने और प्रविष्टियों की पुनरावृत्ति को देखते हुए मतदाता सूची की समय-समय पर समीक्षा आवश्यक है। लेकिन समस्या यहीं से शुरू होती है।

कमजोर मतदाताओं पर सबूत का बोझ डालना, एक बोझिल दस्तावेज-प्रणाली, समय-सीमा का कम होना और अपील प्रक्रिया के लिए समय-सीमा निर्धारित न करना सबसे ज्यादा चिंता के विषय हैं। अदालत के फैसले के बाद आयोग को असीमित प्रक्रियात्मक छूट मिल गई है। खासतौर से नागरिकता के मुद्दे पर भी, आयोग को मिली छूट को लेकर कुछ विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की है।

मतदाता सूची के पहले से देश में नागरिकता को लेकर बहस चल रही है। हालांकि, एसआईआर नागरिकता की परीक्षा नहीं है, लेकिन इसके मार्फत नागरिकता की सीमित जांच का आधार बना सकता है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने के बाद से एक वर्ग के मन में संशय हैं। खबरें हैं कि बिहार और बंगाल की नई सरकारों ने घोषणा की है कि मतदाता सूची से जिनके नाम कट गए हैं, उन्हें सरकारी लाभ नहीं मिलेंगे।

अब मई के अंत में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों (डेमोग्राफिक चेंज) का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। इसके अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर हैं। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2025 को लाल किले के प्राचीर से घुसपैठियों का उल्लेख करते हुए ऐसी समिति की आवश्यकता की घोषणा की थी।

ऐसे समय में जब घुसपैठिया शब्द को लेकर भय का माहौल है, तब आम नागरिक के मन में चिंता के कारण बनते हैं। करीब-करीब ऐसा ही भय देशभर में काम कर रहे प्रवासी कामगारों के मन में है। बहुत से नहीं जानते कि उनके गृह-राज्य की सूची में उनका नाम है या नहीं। हाल में बंगाल में हुए चुनाव के समय प्रवासियों के बीच मची भगदड़ के पीछे एक भय यह भी था कि वोट नहीं डालेंगे, तो सुविधाएं कट जाएंगी।

भारत अब सिर्फ विकसित नहीं हो रहा, विश्व को विकसित कर रहा है

प्रो. आरके जैन

तकनीक की वैश्विक बिसात पर भारत अब मोहरा नहीं, चाल चलने वाला खिलाड़ी बनता दिख रहा है। फ्रांस के नीस में 14-16 जून 2026 को आयोजित भारत इनोवेट्स 2026 कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कहना कि भारत अब समाधान का उपभोक्ता नहीं, समाधान प्रदाता है, केवल एक वक्तव्य नहीं बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन की घोषणा थी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की उपस्थिति, 120 से अधिक डीप-टेक स्टार्टअप्स, 15 अग्रणी शिक्षण संस्थानों और सैकड़ों निवेशकों की भागीदारी ने इस दावे को मजबूती दी। यह वह क्षण था जब भारत ने दुनिया को जता दिया कि वह तकनीकी परिवर्तन का दर्शक नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली शक्ति बनने की ओर बढ़ चुका है।

भारत की तकनीकी उड़ान किसी एक घटना नहीं, वर्षों की तैयारी का परिणाम है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने इसकी मजबूत नींव रखी। जो देश कभी तकनीक खरीदता था, वह आज समाधान विकसित कर दुनिया को दे रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदर्शित 120 डीप-टेक कंपनियों के पास सामूहिक रूप से 1,500 से अधिक पेटेंट हैं और उन्होंने 1.5 बिलियन डॉलर से ज्यादा पूंजी जुटाई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी स्वच्छ ऊर्जा के अलावा स्वास्थ्य, जलवायु प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, एग्रीटेक आदि 13 अग्रणी क्षेत्रों में भारतीय कंपनियाँ नई राह बना रही हैं। बढ़ते पेटेंट, निवेश और स्टार्टअप्स बताते हैं कि भारत अब केवल सेवा प्रदाता नहीं रहा। विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भारत ऐसे तकनीकी मॉडल प्रस्तुत कर रहा है जो किफायती भी हैं और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकते हैं। यही बदलाव भारत को वैश्विक विकास की नई धुरी बना रहा है।

भारत-फ्रांस संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अब कूटनीति से आगे बढ़कर नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी की साझेदारी में बदल रहे हैं। इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन 2026 और विस्तारित रणनीतिक साझेदारी भविष्य की उसी रूपरेखा को रेखांकित करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप्स और वैज्ञानिक अनुसंधान में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों की निरंतर पहल ने दोनों देशों को स्वाभाविक सहयोगी बना दिया है। फ्रांस अब भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं, बल्कि तकनीकी सह-निर्माता के रूप में देख रहा है। यही सोच इस रिश्ते को पारंपरिक द्विपक्षीय सहयोग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण और दूरगामी बनाती है।

भारत का उभरता तकनीकी सामर्थ्य कई पुराने शक्ति-केंद्रों के लिए चुनौती बन रहा है। कारण यह है कि वह तकनीक पर स्थापित एकाधिकार की दीवारों में दरार डाल रहा है। दशकों तक नवाचार कुछ देशों और कंपनियों के इर्द-गिर्द सिमटा रहा, लेकिन भारत अब अपनी अलग तकनीकी राह बना रहा है। एआई और उन्नत प्रौद्योगिकियों पर बढ़ते नियंत्रण के बीच भारत-फ्रांस सहयोग बदलते वैश्विक समीकरणों का संकेत है। सेमीकंडक्टर, उन्नत सामग्री और महत्वपूर्ण खनिजों में बढ़ती साझेदारी बता रही है कि भविष्य की तकनीकी आपूर्ति पर अब कुछ हाथों का वर्चस्व नहीं रहेगा। भारत का सॉल्व्ड इन इंडिया मॉडल धीरे-धीरे सॉल्यूशन फॉर द वर्ल्ड की अवधारणा में बदल रहा है।

भारत-फ्रांस सहयोग का सबसे मजबूत चेहरा अब रक्षा और रणनीतिक तकनीक में दिखता है। राफेल कार्यक्रम ने तकनीक हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन को नई दिशा दी है। दोनों देश अब रक्षा खरीद से आगे बढ़कर साझा निर्माण और उन्नत अनुसंधान की राह पर हैं। स्कॉर्पीन पनडुब्बियों से लेकर समुद्री सुरक्षा तक और साइबर सुरक्षा से लेकर क्वांटम अनुसंधान तक, सहयोग के नए द्वार खुल रहे हैं। परमाणु ऊर्जा में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर चर्चा ऊर्जा सुरक्षा की नई संभावनाएँ प्रस्तुत करती है। अंतरिक्ष, विज्ञान और स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग यह स्पष्ट करता है कि यह रिश्ता अब भविष्य की तकनीकी सभ्यता गढ़ने की साझी परियोजना बन चुका है।

भारत की यह तकनीकी प्रगति विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को मजबूत आधार दे रही है। भारतीय स्टार्टअप अब केवल मुनाफा नहीं, बल्कि वास्तविक समाधान प्रस्तुत कर वैश्विक निवेश आकर्षित कर रहे हैं। जलवायु संकट के लिए क्लाइमेट टेक, स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित नवाचार और वित्तीय समावेशन में फिनटेक भारत की उभरती ताकत बन चुके हैं। ग्लोबल साउथ के कई देश भारत के विकास मॉडल को अपनाने की दिशा में देख रहे हैं। अमेरिका-चीन तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है। उसकी सबसे बड़ी ताकत उसका लोकतांत्रिक, विविध और खुले नवाचार पर आधारित ह्लतकनीकी मानववादह्ण है, जो तकनीक को केवल शक्ति नहीं बल्कि सेवा का माध्यम बनाता है।

तकनीकी प्रगति की इस तेज दौड़ में चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं। तकनीक हस्तांतरण की गति बढ़ाना, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा मजबूत करना, कुशल मानव संसाधन तैयार करना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ बनाना अभी भी प्रमुख आवश्यकताएँ हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्धा में केवल महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि मजबूत संस्थागत ढांचा और निरंतर निवेश भी जरूरी है। भारत को अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बढ़ाना, विश्वविद्यालय उद्योग सहयोग को गहरा करना और उभरती तकनीकों में वैश्विक मानक स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। फिर भी, सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारत इन चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना के साथ कर रहा है।

आज वैश्विक परिदृश्य में जो सबसे बड़ा बदलाव दिख रहा है, वह भारत की बढ़ती भूमिका से उपजा है। एक विशाल लोकतंत्र जब नवाचार, रक्षा, ऊर्जा और डिजिटल तकनीक में नेतृत्व करने लगता है, तो वैश्विक शक्ति-संतुलन अपने आप पुनर्गठित हो जाता है। नीस में मोदी का संदेश इसी परिवर्तन का उद्घोष था। यह घोषणा थी कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य आत्मकेंद्रित होना नहीं, बल्कि विश्व को नए समाधान देना है। मोदी-मैक्रों साझेदारी उस नए युग की रूपरेखा बन रही है, जहाँ भारत भविष्य का सहभागी नहीं, उसका निर्माता है। यदि यह गति बनी रही, तो आने वाले वर्षों में दुनिया भारत को एक विशाल बाजार नहीं, बल्कि उन समाधानों के स्रोत के रूप में पहचानेगी जो मानवता की अगली सदी का मार्ग तय करेंगे।

महिला सुरक्षा, जवाबदेही और न्याय के सवाल

डॉ. जगमती सांगवान

ऐसी घटनाओं का सामाजिक माहौल और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है। सरकार से अपेक्षा है कि दागी डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति की उच्चस्तरीय-निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार लोगों पर सख्त कारर्वाई की जाए। कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल में नाबालिग दलित लड़की के साथ डॉक्टर द्वारा किए गए कथित दुराचार की घटना ने प्रदेश को झकझोर दिया। घटना के तुरंत बाद जनवादी महिला समिति और अन्य सामाजिक संगठनों ने कुरुक्षेत्र समेत विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कारर्वाई, पीड़िता के पुनर्वास तथा राज्य महिला आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

उल्लेखनीय है कि आरोपी चिकित्सक पर विगत में भी यौन शोषण से जुड़े कई आरोप लगाए जाने की बात कही जाती है। वर्ष 2008 में कुरुक्षेत्र के सिविल अस्पताल में इलाज के लिए आई एक कंप्यूटर साइंस छात्रा के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगे थे। अस्पताल प्रशासन द्वारा जांच के लिए एक समिति गठित किए जाने की जानकारी सामने आई ?थी। हालांकि उस समय उन्हें न तो पद से हटाया गया और न ही स्थानांतरित किया गया। बाद में मामले में कथित रूप से जांच प्रक्रिया और बयान दर्ज होने के आधार पर क्लोजर रिपोर्ट तैयार होने की बात कही गई।

इसके अलावा वर्ष 2017 में भी एक दलित महिला द्वारा अस्पताल परिसर में दुराचार का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराने और मामला अदालत तक पहुंचने की बात सामने आई। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौते की स्थिति बनने की बात सामने आई।

वर्तमान घटनाक्रम में राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन 6 जून को कुरुक्षेत्र पहुंचीं और पूरे मामले की समीक्षा की। सभी जानते हैं कि नर्सों का कार्य डॉक्टरों की निगरानी करना नहीं, बल्कि मरीजों की सेवा करना है। अस्पताल के भीतर नर्सों को लाइन में खड़ा कर वीडियो रिकॉर्डिंग कराने और कथित रूप से विवादस्पद टिप्पणियां करने को लेकर असंतोष उभरा। नर्सों ने अपने सम्मान और गरिमा से जुड़ी टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए चेयरपर्सन से इस्तीफे और सार्वजनिक माफी की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया।

नर्सों के आंदोलन के बाद जब उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया और सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी, तब कथित रूप से आरोपी डॉक्टर और उन्हें संरक्षण देने वाली लॉबी द्वारा सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से नर्सों के खिलाफ अभियान चलाया जाने लगा। ऐसे में यह अभियान यौन हिंसा के आरोपी और उनके समथर्कों को बचाने की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनवादी महिला समिति के नेतृत्व में 5 जून को कुरुक्षेत्र में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया गया। महिला नेतृत्व अस्पताल में पीड़ित बच्ची से भी मिला। उसके बाद ही राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा अगले दिन कुरुक्षेत्र पहुंचीं। वहां उनके व्यवहार को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिन्हें आयोग की गरिमा के अनुरूप नहीं माना गया। आरोप है कि उन्होंने आरोपी के बजाय नर्सिंग स्टाफ पर ही दोष मढ़ने की कोशिश की।

सवाल यह है कि चिकित्सक के रूप में कार्यरत उस व्यक्ति पर पहले भी ऐसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं, फिर भी सेवानिवृत्ति के बाद उसे दोबारा नियुक्ति कैसे दी गई, इसके लिए जिम्मेदारी किसकी है? यह प्रश्न प्रशासनिक और निर्णय प्रक्रिया की जवाबदेही की ओर संकेत करता है। यह आशंका भी जताई जा रही है कि उच्च स्तर पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति के संरक्षण से वह कानून की सख्ती से बचता रहा। ऐसे गंभीर आरोपों के बावजूद उसके खिलाफ प्रभावी दंडात्मक कदम नहीं उठाए गए।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए गठित संवैधानिक आयोग की अध्यक्ष होने के बावजूद, यदि सार्वजनिक रूप से नर्सिंग कमर्चारियों के साथ अनुचित व्यवहार और भाषा के प्रयोग के आरोप सामने आते हैं, तो इसे गंभीर आपत्ति के रूप में देखा जाता है। ऐसे मामलों में अपेक्षा की जाती है कि वे अस्पताल के प्रशासनिक कार्यालय में बैठकर औपचारिक तरीके से जानकारी प्राप्त करतीं। साथ ही सरकार से सवाल उठातीं कि संबंधित डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति कैसे हुई। पूरे प्रकरण को लेकर चर्चा होती रही है कि कहीं यह प्रभावशाली राजनीतिक संरचना से जुड़े दबावों का परिणाम तो नहीं है।

सवाल यह भी है कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए बनी संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका क्या हो ? यह सुनिश्चित कैसे किया जाए कि उनके पदों पर बैठे व्यक्ति स्वयं असुरक्षा का कारण न बनें। विभिन्न मामलों से जुड़े प्रकरण या कुरुक्षेत्र अस्पताल में 15 वर्षीय दलित लड़की के कथित यौन शोषण— ने यह सवाल और गंभीर कर दिया है कि क्या आरोपियों को कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलता रहा है। ऐसी घटनाओं का सामाजिक माहौल और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है। सरकार से अपेक्षा है कि दागी डॉक्टर की पुनर्नियुक्ति की उच्चस्तरीय-निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार लोगों पर सख्त कारर्वाई की जाए।

लेखिका महिला अध्ययन केंद्र एमडीयू, रोहतक की निदेशक रही हैं।

जितना सामर्थ्य उतना परिवार

संजय स्वामी

लगभग दो दशक पूर्व सरकार ने आह्वान किया था कि जिन परिवारों की आय एक लाख से अधिक है तथा जिनको आवश्यकता नहीं वे अपने राशन कार्ड सरेंडर कर दें। देश में लाखों नागरिकों ने अपने उपभोक्ता राशन कार्ड वापस कर दिए। इसी प्रकार मोदी सरकार ने समर्थ नागरिकों से रसोई गैस सिलेंडर की सब्सिडी छोड़ने की अपील की हजारों लाखों लोगों ने गैस सिलेंडर पर मिलने वाली सरकारी रियायत(सब्सिडी) छोड़ दी।

भारत को स्वाधीन हुए 78 वर्ष हो चुके हैं। इस अगस्त में 79 होने जा रहे हैं। हम भारतीयों ने इतनी मेहनत की है कि आज भारत विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बन चुका। तकनीकी, विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि सभी क्षेत्रों में हमने विकास किया है। फिर भी विश्व बैंक की दृष्टि में भारत अल्प विकसित राष्ट्र है ।स्वराज के अठहत्तर वर्षों के बाद भी विश्व के विकासशील देशों में ही गिना जाता है। वैश्विक निर्धनता सूचकांक में भारत छियांसठवे स्थान पर है।

स्वतंत्र भारत में पहली बार किसी राजनेता ने महत्वपूर्ण बिंदु पर सबका ध्यान आकर्षित किया है तथा मुखर रूप से कहा है कि सामर्थ्य नहीं तो परिवार क्यों बढ़ाते हो जनसंख्या वृद्धि क्यों कर रहे हैं ? निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का यह कथन उनकी कथनी करनी की एकरूपता को सम्यक रूप से प्रस्तुत करता है। सभी को पता है कि वे सन्यासी हैं। उन्होंने स्वयं के परिवार के स्थान पर समाज, राष्ट्र को अपना परिवार माना है। विडंबना, आजादी के बाद से ही राजनीतिक महत्वाकांक्षा तथा तुष्टिकरण की राजनीति ने देश में समस्याओं को समाप्त करने के स्थान पर बढ़ावा ही दिया है।

जहां एक और देश ने तीव्र गति से विकास किया वहीं दूसरी ओर देश में एक वर्ग ने दिन दूनी रात चौगुनी जनसंख्या वृद्धि की। कुछ राजनीतिक दलों ने उन्हें अपना वोट बैंक बनाकर छोटी-मोटी रियायतें देकर कमजोर, पिछड़े, निर्धन बने रह कर सरकारी संपदा लूटने का भरपूर अवसर प्रदान किया। साथ-साथ राष्ट्र विरोधी शक्तियों ने विदेशी मदद से युवाओं को भटकाकर असामाजिक कृत्यों में संलग्न नाकारा, अपराधी उत्पन्न करने का प्रच्छन्न काम भी किया।

एक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के महानगरों को स्मार्ट सिटी बनाने में जुटे हैं तो दूसरी ओर दिल्ली मुंबई जैसे महानगरों के चौराहों पर सैकड़ो परिवार वर्षों से जीवन यापन कर रहे हैं। वहीं उन्होंने विकसित भारत हेतु डेरा जमाया हुआ है। जैसे-जैसे देश विकास की ओर अग्रसर हो रहा है उसी परिमाप में देश में नकारा, भिखारी तथा मुफ्तखोरों की भीड़ भी बढ़ती जा रही है।

अब समय आ गया है कि सरकार को मुफ्त बिजली, पानी, राशन, झुग्गी के बदले मुफ्त मकान आदि मुफ्त की सुविधाओं का गंभीरता से विचार करना चाहिए। आखिर किसको देनी है कितनी देनी है कब तक देनी है ? यह चिंतन व आंकलन ही विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करेगा।

केले का शेक पीने के हैं शौकीन तो पहले जान लीजिए इसके नुकसान

बहुत से लोगों को केला खाने की जगह उसका शेक पीना काफी अच्छा लगता है। हालांकि, केले के शेक को पीने से आपको कई तरह के नुकसान उठाने पड़ सकते हैं।

बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर किसी को केले का शेक बनाकर पीना काफी अच्छा लगता है। कभी सुबह नाश्ते के समय तो कभी इवनिंग स्नैक टाइम पर जब हल्की भूख लगती है तो ऐसे में केले का शेक आपको फुलर अहसास करवाता है। केले का शेक बनाने में बहुत अधिक समय भी नहीं लगता है और यह बहुत अधिक टेस्टी भी होता है, इसलिए हर कोई इसे पीना काफी पसंद करता है।

लेकिन क्या आपको पता है कि केले के शेक को सेहत के लिहाज से बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। केला और दूध एक अच्छा कॉम्बिनेशन नहीं है। हालांकि, दोनों ही अपने आप में बेहद पौष्टिक हैं, लेकिन इन्हें एक अच्छा फूड कॉम्बिनेशन नहीं माना जाता है। जब केले को दूध में ब्लेंड करके उसका शेक बनाया जाता है तो इससे आपकी सेहत को कुछ नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि केले का शेक बनाकरपीना एक अच्छा आइडिया क्यों नहीं है-

बढ़ सकता है वजन

अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं तो ऐसे में केले का शेक पीना बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं है। केले के शेक में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, खासकर अगर इसे फुल-फैट दूध, चीनी या आइसक्रीम के साथ बनाया जाए। इन्हें बार-बार पीने से आपका वजन बढ़ सकता है।

ब्लड शुगर हो सकता है स्पाइक

अगर आपको डायबिटीज या इंसुलिन रेसिस्टेंस की शिकायत है तो ऐसे में आपको केले का शेक बनाकर पीने से परहेज करना चाहिए। केले में नेचुरल शुगर होती है और जब इसे शेक के रूप में दूध के साथ ब्लेंड करके पिया जाता है, तो यह शुगर ब्लडस्ट्रीम में तेजी से अब्जॉर्ब हो जाती है। कई बार इसमें हम स्वीटनर या अन्य हाई शुगर फ्रूट को भी शामिल कर लेते हैं, जिससे आपकी स्थिति और भी खराब हो सकती है।

डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं

अगर आप केले का शेक अधिक मात्रा में लेते हैं तो इससे आपको डाइजेशन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि केले में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। जब लोग जरूरत से ज्यादा केले का शेक पीते हैं तो उन्हें ब्लोटिंग, गैस या कब्ज की शिकायत हो सकती है। इतना ही नहीं, अगर आप लैक्टोज इनटॉलरेंट हैं तो ऐसे में केले को दूध के साथ मिलाकर पीने से आपको काफी परेशानी हो सकती है।

कैविटी का बढ़ जाता है रिस्क

केले में नेचुरल शुगर होती है, और जब शेक के रूप में इसे लिक्विड फॉर्म में पिया जाता है तो इससे वे दांतों पर चिपक सकते हैं। जिससे कैविटी का रिस्क कई गुना बढ़ जाता है। खासतौर से, अगर आप ओरल हाइजीन का सही तरह से ख्याल नहीं रखते हैं तो ऐसे में समय के साथ आपको दांतों से जुड़ी अन्य समस्याएं जैसे प्लाक बनने और दांतों की सड़न की शिकायत भी हो सकती है।

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है यह मिनरल, मिलते हैं ये 3 फायदे

सोडियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स के बारे में तो आप सभी जानते होंगे लेकिन क्या आपको मालूम है कि मैग्निशियम हमारे शरीर के लिए क्यों जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए हमें कई तरह की विटामिन और मिनरल्स की जरूरत पड़ती है, अधिकतर हम कैल्शियम, सोडियम आयरन को ही तरजीह देते हैं, लेकिन आपको बता दें कि मैग्नीशियम भी हमारी सेहत के लिए उतना ही जरूरी है इसकी कमी के कारण कई तरह की समस्याएं हो सकती है। मैग्नीशियमसे हमें क्या क्या- फायदे हो सकत हैं, इस बारे में आइए जानते हैं।

मैग्निशियम हमारे लिए क्यों जरूरी है

सोडियम कैल्शियम और पोटेशियम के बाद मैग्नीशियमफोर्थ मोस्ट कॉमन मिनरल है, इससे न सिर्फ मसल्स को फायदा होता है बल्कि इससे नर्व फंक्शन और बोन फॉरमेशन करने में भी मदद मिलती है। यह बोन स्ट्रक्चर और उम्र बढ़ाने के साथ बोन डेंसिटी को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही यह एंग्जाइटी, इनसोम्निया, माइग्रेन मैं भी मदद कर सकता है। यह नर्वस सिस्टम को शांत करता है और ब्रेन को आराम देने में मदद करता है, जिससे कोर्टिसोललेवल कम होता है।

रोजाना हमें 200 ग्राम से 300 ग्राम तक मैग्नीशियम की जरूरत होती है। एक्सपर्ट बताते है कि अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी है, आप एंटाएसिड पर रहते हैं, आपको क्रॉनिक डायरिया है अल्कोहल का सेवन करते हैं और स्मोकिंग करते हैं तो इससे मैग्नीशियम का अब्जॉर्प्शन नहीं हो पाता है।

मैग्नीशियम के सोर्स

नट्स जैसे बादाम, अखरोट, काजू, कद्दू के बीज, एवोकाडो, पालक या हरी पत्तेदार सब्जियों में मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है।

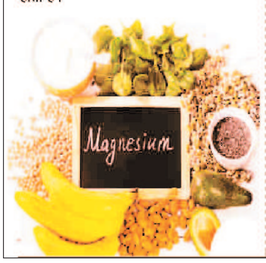

क्या आप भी वजन घटाना चाहती हैं? तो पिस्ता को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। आइए, यहां जानते हैं कि एक दिन में कितने पिस्ता खाने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

एक दिन में इतने पिस्ता खाने से घट सकता है वजन, एक्सपर्ट से जानें

ड्राई फ्रूट्स को हेल्थ के लिए हमेशा फायदेमंद माना जाता है। हेल्दी ड्राइफ्रूट्स में बादाम, अखरोट और काजू की सबसे ज्यादा बात की जाती है। लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि पिस्ता गुणों की खादान है। पिस्ता सिर्फ हेल्थ के लिए फायदेमंद ही नहीं, बल्कि वजन मैनेज में भी मदद करता है। पिस्ता में ऐसे फाइबर कंटेंट होते हैं जो फूड क्रेविंग्स और भूख को कंट्रोल करते हैं, जिससे वजन को मेंटेन करने में मदद मिलती है।

ऐसे तो सोशल मीडिया पर वजन मैंटेन करने के लिए कई सारे टिप्स मौजूद हैं, जिसमें तरह-तरह के नट्स और ड्राईफरूट्स खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन पिस्ता में दूसरे ड्राईफरूट्स के मुकाबले कम कैलोरीज होती हैं, जो वजन को मैनेज करने में मदद करती है। अब सवाल उठता है कि वजन मैनेज करने के लिए एक दिन में कितना पिस्ता खाना चाहिए, इसके लिए हमने एक्सपर्ट से बात की है। एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता एक बेहतरीन हेल्दी स्नेक है। पिस्ता खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो अपना वजन मैनेज करना चाहते हैं।

पिस्ता खाने से कंपलीट हाई क्वालिटी प्लांट प्रोटीन मिलता है, जो एक जरूरी मैक्रोन्यूट्रियंट है। वजन कंट्रोल करने में पिस्ता मददगार साबित हो सकता है।

एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता में प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स मौजूद होते हैं, जो आपको फुल महसूस कराते हैं। इससे आप अपने खाने की मात्रा को कंट्रोल कर सकते हैं और ओवर इटिंग से भी बच सकते हैं।

पिस्ता को लेकर कई तरह की रिसर्च सामने आ चुकी हैं, जिनमें पिस्ता को बेहतरीन स्नेक बताया गया है। क्योंकि इसमें मौजूद तत्वों से डाइजेशन स्लो होता है और भूख भी कम लगती है। नाश्ते और लंच के बीच लगने वाली भूख के लिए पिस्ता एक बेहतरीन स्नेक की तरह हो सकता है।

एक दिन में कितना पिस्ता खाएं?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 28 ग्राम कैलिफोर्निया पिस्ता में 6 ग्राम प्रोटीन और 3 ग्राम फाइबर मिलता है। एक दिन में लगभग 28 ग्राम पिस्ता खाना आपको वजन मैंटेन करने में मदद कर सकता है। पिस्ता में 30 तरह के जरूरी न्यूट्रियंट्स होते हैं और 90 पर्सेंट अनसेचुरेटेड हार्ट-हेल्दी फैट मौजूद होते हैं।

पिस्ता खाने के फायदे

- पिस्ता बॉडी मास इंडेक्स कंट्रोल करने में भी मदद करता है। पिस्ता को लिमिट और कंट्रोल तरह से खाने से वजन के साथ-साथ लटकता पेट भी कम हो सकता है।
- पिस्ता वजन घटाने के साथ-साथ दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इससे ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रोल लेवल कंट्रोल में रहते हैं, जिससे दिल की तंदरुस्ती बनी रहती है.
- पिस्ता को आंखों के लिए भी अच्छा माना जाता है। पिस्ता में एक ऐसा तत्व मौजूद होता है, जो आंखों की रोशनी तेज करने में मदद कर सकता है।
- पिस्ता में मौजूद तत्व, डायबिटीज और हाई ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करते हैं।
- पिस्ता में मेमलाटोनिन नाम का एक तत्व होता है जो नींद की समस्या को दूर करता है. साथ ही पिस्ता में कई ऐसे तत्व होते हैं जो मौसमी बीमारियों से भी शरीर को बचाते हैं।

क्यों दूसरे ड्राईफरूट्स के बीच पिस्ता चुनें?

जब भी ड्राईफरूट्स या नट्स की बात आती है, तो ज्यादातर लोगों की पसंद बादाम और अखरोट रहते हैं. लेकिन पिस्ता में सबसे कम कैलोरी होती होती है। कम कैलोरी होने की वजह से आप इसे खाना फायदेमंद हो सकता है. एक पिस्ता में सिर्फ 3 कैलोरी होती है, वहीं एक बादाम में 10 कैलोरी मौजूद होती है। पिस्ता में मिनरल्स के साथ-साथ विटामिन बी भी मौजूद होता है। बादाम के बाद हरे नट्स में सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है।

क्या पिस्ता बढ़ा सकता है वजन?

पिस्ता खाने के अनेकों फायदे हैं, लेकिन किसी भी चीज को लिमिट से ज्यादा खाना नुकसान पहुंचा सकता है। पिस्ता भी अगर लिमिट में खाया जाए तो वह शरीर का वजन नहीं बढ़ाता है और हेल्थ के लिए भी फायदेमंद रहता है। पिस्ता को लिमिट में खाने के लिए ऐसी सलाह दी जाती है कि इसे शेल वाला पिस्ता यानी बिना छिले हुए पिस्ता लेने चाहिए।

डिप्रेशन का शिकार होने से पहले नजर आते हैं ये 6 लक्षण

डिप्रेशन एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या है ,जिसका समय पर इलाज जरूरी होता है। आजकल के दौर में युवा नौजवान डिप्रेशन के चपेट में तेजी से आ रहे हैं। हालांकि ज्यादातर लोगों को यह मालूम ही नहीं चलता है कि वो डिप्रेशन के शिकार हैं,कई बार मामला हाथ से निकल जाता है। ऐसे में हम आपको वो 6 लक्षण बता रहे हैं जो डिप्रेशन का शिकार होने से पहले किसी भी व्यक्ति में नजर आता है।

अगर आप बहुत ज्यादा खा रहे हैं या बहुत कम खा रहे हैं तो ये डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। तनाव के कारण आपको ज्यादा भूख लगती है। तनाव को कम करने के लिए लोग अच्छा खाना खाना चाहते हैं इससे उन्हें सुकून मिलता है, वहीं तनाव के कारण भोजन को लोग बोझ समझने लगते हैं। दोनों ही स्थिति डिप्रेशन की तरफ इशारा करती है।

दुख और निराशा की भावना डिप्रेशन के सबसे आम लक्षणों में से एक है। अगर आप किसी भी काम को करने से पहले निराश हो जाते हैं या छोटी छोटी बातों पर दुखी हो जाते हैं तो आपको इसे डिप्रेशन का लक्षण समझना चाहिए

आपको बार बार मीठा खाने की क्रेविंग होती है यह भी डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। दरअसल तनाव होने पर शरीर को अधिक कैलोरी की जरूरत पड़ती है और इससे मीठा खाने की इच्छा बढ़ जाती है।

पहले जिस काम को आप खूब आनंद लेकर करते थे और अब आपको उस काम में बिल्कुल भी रुचि नहीं है तो यह भी डिप्रेशन की शुरुआती लक्षणों की तरफ इशारा करता है।

डिप्रेशन से प्रभावित लोग खाने के लिए मन नहीं करता और वे भोजन को एक बोझ मान सकते हैं।

अगर आप बिल्कुल भी सो नहीं पाते हैं या बहुत अधिक देर सोते हैं तो ये डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। चिंता के कारण आपको नींद नहीं आती है ,वहीं ऊर्जा की कमी के कारण आप अधिक सोने लगते हैं।

अगर आप आसानी से किसी भी बात पर भड़क जाते हैं, कोई कुछ कह देता है तो आप चिड़चिड़े होकर गुस्सा करने लगते हैं तो यह भी डिप्रेशन की तरफ इशारा करता है। चिंता के कारण व्यक्ति पर निरंतर भावनात्मक दबाव बना रहता है जिससे वे छोटी-छोटी बातों पर भी भड़क सकते हैं।

सेहत के लिए बेहद लाभकारी है यह लाल फल

नाशपाती तो आप सभी ने खाई होगी। यह मानसून में खूब मिलता है। खट्टा मीठा स्वाद इसका खूब पसंद आता है। अमूमन लोग हरे या पीले कलर की नाशपाती खाते हैं लेकिन क्या आपको मालूम है कि लाल रंग की भी नाशपाती होती है,जो की सेहत को काफी ज्यादा फायदा पहुंचती है।

लाल नाशपाती खाने के फायदे

लाल नाशपाती खाने से दिल के सेहत को बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हानिकारक मुक्त कणों को भी असर करने में मदद करते हैं ऑक्सीडेटिव छाती और सूजन को रोकते हैं जो हृदय रोग में योगदान कर सकते हैं।

लाल नाशपाती खाने से पाचन तंत्र को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो आंतो की गतिशीलता को सुधरता है गैस कब्ज जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

इसे खाने से त्वचा को भी फायदा मिलता है विटामिन सी और फ्लेवोनॉयड से भरपूर लाल नाशपाती त्वचा को मुक्त कणों से बचते हैं उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में सहायक होते हैं।

लाल नाशपाती में कैलोरी की बहुत कम मात्रा होती है और इसकी उच्च फाइबर सामग्री वजन नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है जब आप फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ कहते हैं तो आपको भूख बार-बार नहीं लगती है और कम खाने से आपका वजन कम हो सकता है।

इससे आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है यह शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है इसमें विटामिन के होता है जो हड्डियों के लिए काफी जरूरी है पोटेशियम होता है जो शरीर में फ्लूड संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

वीर दास होंगे 'बारह नंबर' के निर्देशक, 'हैप्पी पटेल' से है ये कनेक्शन

एक्टर, कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दास ने अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' का एलान किया है। इस फिल्म में शीबा चड्ढा, अरुणोदय सिंह, एहसास चन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार होंगे। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। दास ने इस साल की शुरुआत में स्पाई कॉमेडी फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था।

कवि शास्त्री के साथ दोबारा जुड़े वीर दास

'बारा नंबर' के लिए वीर दास एक बार फिर 'हैप्पी पटेल' के को-डायरेक्टर कवि शास्त्री के साथ काम करेंगे। इस फिल्म से वह क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दास भी फिल्म में बतौर एक्टर काम करेंगे। इसमें निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नय्यर, पूजा स्वरूप और नवीन कौशिक भी शामिल हैं।

वीर दास ने बताया 'इस प्रोजेक्ट की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें ऐसे कलाकार साथ आए हैं, जिनकी मैं तारीफ करता हूं। शीबा, अतुल, अरुणोदय, श्रिया, एहसास, निहारिका, सुहैल और नवीन, हर कोई फिल्म में एक अलग ऊर्जा और असलियत लेकर आता है।'

कब अच्छी लगती है हॉरर फिल्म?

उन्होंने आगे कहा 'हॉरर फिल्म तब अच्छी लगती है जब दर्शकों को हर पल असली लगे और इस कलाकारों की टीम ने कहानी को उस स्तर से कहीं आगे पहुंचा दिया है, जो मैंने इसे लिखना शुरू करते समय सोचा था।' 'पेद्दी' के एक्शन डायरेक्टर ने आमिर खान से की राम चरण की तुलना, शूटिंग के दौरान इस वजह से याद आई फिल्म 'दंगल'

वीर दास ने किया इन फिल्मों में काम

'देली बेली', 'गो गोवा गॉन' जैसी फिल्मों और 'कॉल मी बे' जैसी सीरीज में काम करने के लिए मशहूर वीर दास, अपने बैनर 'जजू प्रोडक्शंस' के जरिए 'बारा नंबर' को प्रोड्यूस करेंगे।

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती, धैर्य और लगातार मेहनत ही असली चाबी है

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''

अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है। यह लंबे समय तक नहीं टिकती। दूसरी ओर सफलता एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें लगातार काम करना, अपने अभिनय को बेहतर बनाना और हर किरदार में सुधार लाना जरूरी होता है। जो लोग इस इंडस्ट्री में स्थायी रूप से सफल होना चाहते हैं, उन्हें समझना होगा कि सिर्फ चर्चा में रहना काफी नहीं है, बल्कि अपने काम में निरंतरता बनाए रखना जरूरी है।'' उन्होंने कहा, ''धैर्य मेरे लिए एक सोचने का तरीका बन गया है। धैर्य ने मुझे अपने काम के प्रति ज्यादा गंभीर और शांत बनाया है। अब मैं हर सीन को जल्दीबाजी में नहीं करती, बल्कि उसे समझकर और समय देकर निभाने की कोशिश करती हूं।''

अमिताभ बच्चन ने एक ही दिन में शूट कर डालीं 12 शॉर्ट फिल्में

अमिताभ बच्चन 83 वर्ष की उम्र में भी इंडस्ट्री में न केवल सक्रिय हैं, बल्कि पूरी ऊर्जा और क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। इसे लेकर वे अपने प्रशंसकों के साथ अपडेट भी साझा करते रहते हैं। बिग बी नियमित रूप से ब्लॉग लिखते हैं। हालिया ब्लॉग में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने 12 फिल्मों की शूटिंग एक ही दिन में पूरी कर ली। हालांकि, ये शॉर्ट फिल्में थीं, लेकिन यह भी कोई मजाक नहीं है।

12 शॉर्ट फिल्में और दो स्टिल, एक दिन में पूरे

अमिताभ बच्चन ने 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग का काम एक ही दिन में निपटा देने के साथ ही दो स्टिल शूट भी उसी दिन पूरे किए। बिग बी ने अपने ब्लॉग में एक नोट के साथ तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने ब्लॉग में लिखा है, 'काम तो काम है। आज 12 शॉर्ट फिल्में शूट कीं और दो स्टिल शूट किए और अब आप पर काम कर रहा हूं'। आगे लिखा है, 'बिना किसी देरी के, जोड़ने की यह प्रक्रिया ही आज का मुख्य काम है। बाकी सब तो चलता रहेगा। ये रुकना नहीं चाहिए। काम वाले दिन से पहले कई दिनों की तैयारी के बाद भी, पूरी लगन से पढ़ाई करना'।

बिग बी ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे स्क्रिप्ट पढ़ते दिख रहे हैं। अभिनेता ने अपने ब्लॉग में लिखा कि काम ही काम है और लोगों से जुड़े रहने की प्रक्रिया कभी रुकनी नहीं चाहिए। ब्लॉगिंग के शौकीन अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा कि काम के दिन से पहले पूरी तैयारी के साथ पढ़ाई और अभ्यास करना चाहिए। परिस्थितियां कैसी भी हों, कभी समझौता नहीं करना चाहिए।

उन्होंने लिखा, 'पूरी लगन से अध्ययन करना चाहिए। काम वाले दिन से पहले पूरी तैयारी करनी चाहिए और परिस्थितियों या हालात से कभी समझौता नहीं करना चाहिए, चाहे एयर कंडीशंड पायजामा ही क्यों न पहन रखा हो'। बता दें कि अमिताभ बच्चन इन दिनों निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं।

36 साल के करियर के बाद रिटायरमेंट पर बोले अक्षय कुमार

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम 3' का ट्रेलर काफी लंबे इंतजार के बाद आखिरकार आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर अक्षय ने इस फिल्म में अपनी फीस के साथ ही अपने रिटायरमेंट प्लान के बारे में भी खुलकर बात की। इसके साथ ही अक्षय ने इस दौरान दिवगंत अभिनेता पंकज धीर को भी याद किया।

रिटायरमेंट पर क्या बोले अक्षय कुमार

'वेलकम टू द जंगल' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान जब अक्षय कुमार से उनके रिटायरमेंट प्लान के बारे में पूछा गया तो अभिनेता ने बिना किसी देरी के जवाब दिया। अक्षय ने कहा, 'आखिरकार रिटायरमेंट के बाद क्या होगा, घर पर बैठे उन्हें इलेक्ट्रीशियन का काम मिल जाएगा, गार्डनर बन जाऊंग और घर के सारे काम काज मिल जाएंगे।' अक्षय ने आगे कहा, 'सबसे अच्छा है कि मैं काम पर जाऊं और रिटायरमेंट न लूं।' अक्षय ने आगे यह भी कहा, 'सुबह 4 बजे उन्हें रोजाना 5 सैकेंड के लिए रिटायरमेंट का ख्याल आता है, लेकिन उसके बाद उन्हें याद आता है कि शूटिंग पर जाना है क्योंकि वहां पर 300 लोग उनका सेट पर इंतजार कर रहे होते हैं।' इसके बाद अक्षय ने कहा कि वह खुद से कहते हैं कि अब तो 36 साल गुजर गए हैं, रिटायरमेंट को लेकर वह अगले दिन सेचेंगे।

'वेकलम 3' के लिए अक्षय की फीस

'वेकलम टू द जंगल' में अपनी फीस को लेकर अक्षय ने खुलासा किया कि उन्हें इस फिल्म के लिए 1.7 करोड़ रुपये नहीं मिले हैं। यह फिल्म उन्होंने इसलिए की क्योंकि नीरज वोरा की लिखी यह कहानी उन्हें बेहद पसंद आई। स्ट्रगलिंग के दिनों को याद करते हुए अक्षय ने कहा कि वह 36 साल से प्रियदर्शन, नीरज वोरा और साजिद नाडियावाला को जानते हैं, जब वह इस फिल्म इंडस्ट्री में आए थे। उन्होंने इन तीनों से बहुत कुछ सीखा है।

जोया अख्तर ने की 'मैं वापस आऊंगा' की तारीफ

इम्तियाज अली की नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' अपनी बेहतरीन कहानी और अभिनय की वजह से दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। अब इस फिल्म की तारीफ करने वालों में मशहूर फिल्म निर्माता जोया अख्तर का नाम भी शामिल हो गया है। दिग्गज निर्देशक जोया अख्तर ने इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की जमकर तारीफ की है। इसके साथ ही जोया ने फिल्म को लेकर एक दिल छू लेने वाली बात लिखी है। जोया के अलावा अदिति राव हैदरी और अनुराग कश्यप ने भी फिल्म की प्रशंसा की है।

इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' आज 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म को लेकर जोया अख्तर ने इंस्टाग्राम पर 'मैं वापस आऊंगा' की पूरी टीम को बधाई दी। इसके साथ ही जोया ने इसको एक 'खूबसूरत फिल्म' बताया है।

कई सेलेब्स ने दी फिल्म को लेकर बधाई

जोया से पहले अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने भी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की तारीफ में लिखा था कि यह फिल्म बहुत भावुक और सच्ची है और वह इसे दोबारा देखना चाहेंगी। यह फिल्म प्यार और तड़प की एक अनोखी कहानी है, जिसमें दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा ने भी इस फिल्म की सराहना की। उन्होंने आज के दौर में फिल्म निर्देशकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर बात की। अनुभव सिन्हा ने कहा कि आज के समय में निर्देशकों से उनकी कला की आजादी छीनी जा रही है, लेकिन ऐसे माहौल में भी इम्तियाज अली अपनी खास पहचान बनाए हुए हैं और शानदार सिनेमा बना रहे हैं।

शहर की सीख और वैल्यूज के साथ मुंबई में काम कर रही हूं

अहाना कुमरा ने अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को तराशने पर बातें की हैं। उन्होंने शहर की सीख और वैल्यूज के साथ मुंबई में काम पर बातें कीं। उन्होंने कहा- थिएटर में उन्हें नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी।

अहाना ने थिएटर पर की बात

थिएटर की सख्ती, अपने फैसलों की कीमत और इंडस्ट्री की सियासत, इन सबके बीच अपनी अलग पहचान बनाने वाली अहाना कुमरा की सोच उतनी ही साफ है, जितनी वह बेबाक हैं। नसीरुद्दीन शाह से मिली सीख ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया तो लखनऊ की तहजीब और जिद आज भी उनके काम में झलकती है। अहाना कुमरा ने इस खास बातचीत में अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को लगातार तराशने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की।

लखनऊ ने मुझे तहजीब और जिद दोनों दी हैं। अगर कहें तो मुंबई में जाकर आप तहजीब भूल जाते हैं (ठहाके लगाते हुए)। हालांकि, इस शहर ने एक जिद जरूर दी है क्योंकि जब आप ऐसे शहरों से आते हैं, जहां आपको अपने शहर का नाम रोशन करना है तो अंदर एक जिम्मेदारी सी रहती है। मैं यहां अब रहती नहीं हूं लेकिन साल में एक-दो बार आना-जाना जरूर हो जाता है। कभी खाने के बहाने तो कभी किसी इवेंट में शिरकत करने। लखनऊ आते ही ऐसा लगता है कि मुझे इसका नाम रोशन करना है। मुझे इसके लिए पांच या दस साल लग जाएं लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैं हमेशा जुटी रहूं और डटी रहूं। इस शहर ने जो सीख और वैल्यूज दी हैं, उन्हें साथ लेकर ही मैं मुंबई में काम कर रही हूं।

नसीरुद्दीन शाह ने कहा, यह तुम्हारी जिम्मेदारी है

थिएटर में सबसे पहली चीज आप अनुशासन और शिद्दत सीखते हैं। आपको जो बोला गया है, वो आपको करना होगा और इसके पैसे नहीं मिलते हैं। फिल्मों की तरह 10 लोग आपके आजू-बाजू नहीं रहते हैं। याद है जब मैंने अपना पहला शो 'मॉटली' में किया था तो बैकस्टेज अपने कपड़े खुद सेट किए थे। हमारी बिलॉन्गिंग्स और चेंजेस होते हैं, जिन्हें चेक किया जाता है और वो मैंने ठीक से नहीं किया। उस पर नसीरुद्दीन शाह सर ने मुझे बहुत डांट लगाई थी। उन्होंने कहा था- तुमको क्या लगता है कि यहां तुम्हारे काम अलग से कोई करेगा? चुपचाप जाकर अपने सारे कॉस्ट्यूम चेक करो। देखो कहां क्या रखा है। यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि तुम जब वापस स्टेज से आओगे और दूसरे सीन के लिए तैयार होने जाओगे तो तुम्हें पता हो कि कहां पर क्या रखा है। हम यहां तक ड्रेस रिहर्सल करते थे कि अगर 30 सेकेंड हैं तो कैसे अपनी ड्रेस को अनजिप करें और कैसे नई ड्रेस जिप करके स्टेज पर फटाफट पहुंचें। अगर आप ये चीजें नहीं सीखते तो काम नहीं चलेगा। थिएटर में आपके पास समय नहीं है और वहां आपका काम कोई दूसरा नहीं करेगा। वहां आपको आत्मनिर्भर बनना पड़ता है। आजकल के ऐक्टर्स में मैंने देखा है कि वे काम बाद में शुरू करते हैं, पहले उनके इर्द-गिर्द 10 चेले-चपाटे आ जाते हैं। वो चीजें आपको थिएटर में नहीं मिलती हैं। मैं हमेशा कहती हूं कि कोई भी यंग ऐक्टर जो ऐक्टिंग शुरू करना चाहता है, उसे थिएटर जरूर करना चाहिए।

अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है

हमेशा से कहती आई हूं कि जो मैं अपने डिसिजन लेती हूं, उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मुझे यह जिम्मेदारी भी पूरी करनी है कि ऐसे रोल करूं, जिन्हें लोग बरसों याद रखें। उसके बारे में बाद में मुझे सोचकर यह ना लगे कि वो रोल क्यों किया। इन रोल्स को करने के लिए हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अगर आप हमारे जैसे प्रोफेशन में रिस्क नहीं लेंगे तो फिर यहां आने का कोई मतलब नहीं। आप नाइन टू फाइव जॉब कर लीजिए। बड़े-बड़े ऐक्टर्स रिस्क लेते हैं। रिस्क जिन्होंने नहीं लिया, उनके करियर बहुत जल्दी नीचे आ गए। मैंने अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है। बहुत लोगों की गालियां सुनी हैं। बहुत लोगों से यह भी सुना है कि तुम्हारे साथ आज के बाद काम नहीं करेंगे। मैंने उनसे यही कहा कि आप अकेले नहीं हैं। अगर आप मेरे साथ काम नहीं करेंगे तो भी मुझे काम मिलेगा। मैं खुद को इतना ग्रो कर चुकी हूं कि मुझे किसी की धमकी की जरूरत नहीं है। मैं तो अब प्रोड्यूस भी कर रही हूं।

अल्प वर्षा की आशंका को देखते हुए फसल विविधीकरण व जल संरक्षण अपनाने की अपील

कलेक्टर ममगाईं ने कहा : कम पानी वाली फसलों को दें प्राथमिकता, वैज्ञानिक खेती से बढ़ाएं उत्पादन और आय

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं द्वारा जिले में आगामी संभावित अल्प वर्षा भू-जल स्तर को देखते हुए जिला प्रशासन ने किसानों से खरीफ मौसम में जल संरक्षण आधारित खेती एवं फसल विविधीकरण को अपनाने की अपील की है। बेमेतरा जिला वृष्टि छाया (रेन शैडो) क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां वर्षा की अनिश्चितता लंबे समय से कृषि के लिए चुनौती बनी हुई है। विगत वर्ष जिले में मात्र 535 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी, जो सामान्य वर्षा से काफी कम रही। मौसम विभाग एवं विभिन्न पूर्वानुमानों के अनुसार इस वर्ष भी सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। ऐसे में कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय को सुरक्षित रखने के लिए समय रहते आवश्यक तैयारी करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कलेक्टर ने जिले के कृषकों से अपील करते हुए कहा है कि वे पारंपरिक रूप से अधिक पानी की आवश्यकता वाली लंबी अवधि की धान किस्मों के स्थान पर कम अवधि एवं कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली धान की किस्मों का चयन करें। विशेष रूप से एमटीयू-1010 (MTU-1010) एवं विक्रम टीसीआर (Vikram TCR) जैसी किस्में वर्तमान परिस्थितियों में अधिक उपयुक्त साबित हो सकती हैं। इसके साथ ही किसानों को उपलब्ध जल संसाधनों को ध्यान में रखते हुए दलहन एवं तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने तथा फसल विविधीकरण को अपनाने की सलाह दी गई है।

कलेक्टर ने बताया कि राज्य शासन द्वारा संचालित कृषक उन्नति योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। योजना के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती करने वाले किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ तथा धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं अन्य वैकल्पिक फसलें लेने वाले किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है। इससे न केवल किसानों की उत्पादन लागत कम होगी, बल्कि उनकी आय में भी वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों और अनियमित वर्षा के दौर में केवल परंपरागत खेती पर निर्भर रहना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए किसानों को कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार उन्नत एवं जल-संरक्षण आधारित तकनीकों को अपनाना चाहिए। कतार बोनी (लाइन सोइंग), मल्चिंग, जैविक पदार्थों के उपयोग तथा संतुलित उर्वरक प्रबंधन जैसी तकनीकों से मिट्टी में नमी लंबे समय तक संरक्षित रखी जा सकती है।

कलेक्टर ने सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि किसान ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति का अधिकतम उपयोग करें। इन तकनीकों से पानी की बचत के साथ-साथ फसलों को आवश्यक मात्रा में सिंचाई उपलब्ध कराई जा सकती है। धान की खेती में एसआरआई (System of Rice Intensification) पद्धति अपनाकर कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है, जिससे जल उपयोग दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होता है।

जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता बताते हुए कलेक्टर ने किसानों से अपने खेतों एवं गांवों में वर्षा जल संचयन के उपाय अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नलकूपों एवं बोरवेलों का रिचार्ज, सोक पिट निर्माण, खेत तालाब, मेड़बंदी, गली प्लग, स्टॉप डैम तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण भविष्य में जल संकट से बचाव का प्रभावी माध्यम है। यदि वर्षा की प्रत्येक बूंद को सहेजने का प्रयास किया जाए तो कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सकता है।

कलेक्टर ने कहा कि जल ही कृषि की आधारशिला है और जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। वर्तमान परिस्थितियों में फसल विविधीकरण, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों का उपयोग, जल संरक्षण आधारित कृषि पद्धतियां तथा वैज्ञानिक खेती ही किसानों की आय और कृषि उत्पादन को सुरक्षित रखने के प्रभावी उपाय हैं। उन्होंने जिले के सभी कृषकों से इन उपायों को अपनाने और बेमेतरा को जल-संरक्षित, कृषि समृद्ध एवं आत्मनिर्भर जिला बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

खास खबर

निषाद समाज को मिली सामुदायिक भवन की सौगात, विधायक दीपेश साहू ने किया लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

नगर पालिका परिषद बेमेतरा अंतर्गत निषाद समाज को एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है। समाज के लिए निर्मित नवीन सामुदायिक भवन का लोकार्पण मंगलवार को विधायक दीपेश साहू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस भवन के साथ क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था हेतु हाईमास्ट लाइट की भी स्थापना की गई है। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा अध्यक्षता कर रहे थे। समारोह में निषाद समाज के जिला अध्यक्ष दिलीप निषाद, भाजपा शहर अध्यक्ष युगल देवांगन, लोक निर्माण विभाग सभापति पंचू साहू, पार्षद श्रीमती खिलेश्वरी शिव पाटिल, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं निषाद समाज संगठन सचिव रेवाराम निषाद सहित जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण : लोकार्पण समारोह के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया।

सामाजिक एकता और विकास का केंद्र बनेगा भवन: विधायक- इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि निषाद समाज की वर्षो पुरानी मांग पूरी होना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन केवल एक भवन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, सामाजिक बैठकों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न गतिविधियों के संचालन का सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, भवन निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। प्रत्येक समाज और वर्ग तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। विधायक ने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए उनके प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि नगर पालिका परिषद बेमेतरा शहर के विकास के साथ-साथ सभी समाजों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। निषाद समाज का यह सामुदायिक भवन सामाजिक गतिविधियों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विधायक दीपेश साहू के सहयोग से नगर में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है तथा भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान निषाद समाज के पदाधिकारियों एवं सामाजिक बंधुओं ने सामुदायिक भवन की सौगात के लिए विधायक दीपेश साहू, नगर पालिका परिषद तथा प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा, पार्षद विकास तंबोली, राजकुमार खाएडे, रवि कुम्भार मुलवानी, सजनी यादव, चांदनी रोशन दत्ता, नीतू कोठारी, गौरव साहू, सिमरन ताम्रकार सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, निषाद समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत कटई में शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक के लिए आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा। जनपद पंचायत नवागढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत कटई में शासकीय उचित मूल्य दुकान की संचालन के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। दुकान संचालन हेतु इच्छुक संस्थाओं/वृत्ताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सेवा सहकारी समिति/ ग्राम पंचायत ,महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि शाख समितियां ,अन्य सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम ,वन सुरक्षा समितियां से आवेदन आमंत्रित किया गया है। शिक्षण संस्थाएं 25 जून तक कार्यालीन समय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नवागढ़ के कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन के संबंध में विस्तृत जानकारी खाद्य विभाग की वेबसाइट www.khadya.cg.nic.in पर अवलोकन कर सकते हैं।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण पर जोर, कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास और एग्रीस्टेक कार्यों की समीक्षा

18 से 20 जून तक अनुभाग स्तर पर लगेंगे वृहद शिविर, 21 को विश्व योग दिवस कार्यक्रम की तैयारियों के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का सवोच्च प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे अपनी आईडी में प्राप्त प्रकरणों की लगातार समीक्षा करें तथा समय-सीमा के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह निर्देश समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए।

राज्य शासन के निर्देशानुसार आगामी 18 से 20 जून तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार की। जनकल्याणकारी तथा हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक राजस्व अनुभाग स्तर पर तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में विभिन्न योजनाओं के लिए नए पंजीयन, त्रुटि सुधार एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण की कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी एसडीएम को कार्यक्रम के लिए उपयुक्त स्थल चयन कर आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्यघर, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, पीएम कौशल विकास योजना तथा विभिन्न पेंशन योजनाओं सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत पंजीयन एवं लाभ वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान कार्ड के लंबित लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने 18 से 20 जून तक आयोजित शिविरों में छूटे हुए पात्र व्यक्तियों का पंजीयन सुनिश्चित करने, ग्रामवार जानकारी उपलब्ध कराने तथा जनप्रतिनिधियों एवं मैदानी अमले के सहयोग से व्यापक मोबिलाइजेशन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए अगले सप्ताह तक स्वीकृत लेकिन अप्रारंभ सभी आवासों का निर्माण कार्य शुरू कराने को कहा।

पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन वन धन केंद्र एवं बहुउद्देशीय भवनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। एग्रीस्टेक की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन किसानों की आईडी तो बन चुकी है, लेकिन खसरे अपडेट नहीं हैं अथवा सभी खसरे लिंक नहीं हो पाए हैं, उनकी जानकारी तहसीलवार संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। ऐसे सभी मामलों के अपडेशन का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। बैठक में एडीएम विनय पोयाम, अपर कलेक्टर नरेंद्र पैंकरा, सभी एसडीएम व तहसीलदार सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

21 जून को योग दिवस आयोजन की तैयारियों के निर्देश

कलेक्टर श्री वर्मा ने 21 जून को आयोजित होने वाले विश्व योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आयुष विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं नगर पालिका के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व वर्षो की भांति सामूहिक योगाभ्यास के लिए उपयुक्त स्थल का चयन कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। साथ ही शासन के निर्देशानुसार जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम के अलावा अन्य नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, स्कूलों, कॉलेजों एवं विभिन्न संस्थाओं में भी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

एक विपत्ति ग्रस्त को 04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता मंजूर

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने राजस्व पुस्तक परिपत्र छह-चार के तहत ग्राम धोबघट्टी निवासी कृष्णा की नदी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर विपत्ति ग्रस्त उनके भाई जियाराम को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता की मंजूरी दी गई है।

जिले में उत्साह के साथ मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव, बच्चों का तिलक और मिठाई से हुआ स्वागत

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत पर पुस्तक, गणवेश और पात्र छात्राओं को किया गया नि :शुल्क साइकिल वितरण

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत उत्साह और उमंग के साथ हुई। मंगलवार को जिले के सभी शासकीय, अशासकीय तथा अनुदान प्राप्त विद्यालयों में शाला प्रवेशोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्कूल पहुंचे बच्चों का स्वागत किया गया। नए विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, गुलाल से अभिनंदन किया गया तथा मिठाई खिलाकर उनके नए शैक्षणिक सफर की शुरुआत को यादगार बनाया गया।

विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें और गणवेश वितरित किए गए। वही शासन की सरस्वती सायकल योजना के तहत कक्षा 9वीं के पात्रता रखने वाले छात्राओं को निःशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। इसके साथ ही बच्चों के लिए विशेष मध्यान्ह भोजन का भी आयोजन किया गया। लंबे अवकाश के बाद स्कूल पहुंचे बच्चों में नए सत्र को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। शाला प्रवेशोत्सव में जनप्रतिनिधियों, ग्रामवासियों, पालकों तथा शिक्षकों की उपस्थिति रही।

शिक्षकों ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन बनाए रखने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शिक्षा के महत्व और बेहतर भविष्य के निर्माण में विद्यालय की भूमिका से भी बच्चों को अवगत कराया गया। शाला प्रवेशोत्सव का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना, विद्यालय आने के प्रति प्रोत्साहित करना और नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत को उत्सव के रूप में मनाकर सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है। जिले के सभी विद्यालयों में आज से नियमित पढ़ाई भी प्रारंभ हो गई।

जनकल्याण के अभियान के तहत 18 से 20 जून तक लगेंगे वृहद पंजीयन शिविर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आम नागरिकों को शासन की जनहितकारी योजनाओं से जोड़ने तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के सभी राजस्व अनुविभाग स्तर पर 18 जून से 20 जून 2026 तक तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

इन शिविरों के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए नए पंजीयन, दस्तावेजों में त्रुटि सुधार, लंबित प्रकरणों का निराकरण तथा हितग्राहियों की समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था की जाएगी। शासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे तथा सरकारी सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ : शासन द्वारा संचालित यह विशेष अभियान समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविरों में नागरिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मौके पर ही पंजीयन एवं आवश्यक कार्यवाही की जाएगी, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता न पड़े।

इन योजनाओं के लिए होगा पंजीयन : तीन दिवसीय शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का पंजीयन एवं लाभ प्रदान करने की कार्यवाही की जाएगी। इनमें प्रमुख रूप से आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, विभिन्न पेंशन योजनाएं तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं।

एसडीएम होंगे नोडल अधिकारी : शिविरों के सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक राजस्व अनुविभाग में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। उनके नेतृत्व में सभी संबंधित विभाग समन्वय स्थापित कर शिविरों का संचालन करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि अधिकतम संख्या में पात्र नागरिकों को लाभ मिल सके।

व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश : शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार शिविरों के आयोजन से पूर्व ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मुनादी, कोटवारों, स्थानीय समाचार पत्रों, जनप्रतिनिधियों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों को शिविरों की जानकारी दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग शिविरों में पहुंचकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

शासन आम नागरिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : कलेक्टर- कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले में इस महत्वाकांक्षी अभियान के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिविरों में आने वाले नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए तथा किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न रहने दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार जनकल्याण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं तथा यह अभियान शासन और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करने के साथ-साथ विकास एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ग्रामीणों को घंटों की मशक्कत से मिली राहत, अब हर घर तक पहुंच रहा साफ पानी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले के विकासखंड बोड़ला अंतर्गत बैगा जनजाति बहुल ग्राम मुड़घुसरी प्लाट कभी पेयजल संकट से जूझने वाला गांव था। वनांचल क्षेत्र में बसे इस गांवों के लोगों को दैनिक उपयोग के लिए पानी जुटाने हेतु काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को घर से दूर स्थित हैंडपंपों एवं अन्य जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मी के मौसम में जल स्रोतों का जलस्तर घटने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती थी।

गांव की भौगोलिक परिस्थितियों और बिखरी हुई बसाहट के कारण ग्रामीणों को प्रतिदिन कई बार लंबी दूरी तय कर पानी लाना पड़ता था। पानी की व्यवस्था में लगने वाला समय और श्रम उनके सामाजिक एवं आर्थिक जीवन को प्रभावित करता था। महिलाओं का अधिकांश समय पानी लाने में व्यतीत हो जाता था, जिससे वे परिवार, बच्चों की शिक्षा तथा अन्य घरेलू कार्यों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाती थीं।

ऐसे समय में भारत सरकार की जल जीवन मिशन योजना ग्रामवासियों के लिए राहत लेकर आई। योजना के तहत ग्राम मुड़घुसरी प्लाट के सभी पात्र परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। वतर्मान में गांव के 28 घरों में फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान किए जा चुके हैं, जिससे प्रत्येक परिवार को घर पर ही स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

योजना के अंतर्गत जल स्रोतों का विकास, पाइपलाइन विस्तार, जल भंडारण व्यवस्था तथा घरेलू नल कनेक्शन जैसी आवश्यक अधोसंरचनाओं का निर्माण किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि आज गांव के प्रत्येक परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। यह बदलाव केवल एक सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन स्तर में व्यापक सुधार का माध्यम बना है।

जब पानी के लिए बीत जाते थे कई घंटे

गांव में रहने वाली श्रीमती खुटू बाई बैगा बताती हैं कि कुछ वर्ष पहले तक उनके परिवार को पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ता था। सुबह और शाम घर के कामकाज छोड़कर उन्हें दूर स्थित जल स्रोतों तक जाना पड़ता था। कई बार लंबी कतार में घंटों इंतजार करना पड़ता था और गर्मी के दिनों में पानी की उपलब्धता को लेकर चिंता बनी रहती थी। खुटू बाई कहती हैं, पहले पानी लाने के लिए रोज दूर जाना पड़ता था। कई बार सुबह जल्दी निकलना पड़ता था और घंटों इंतजार करना पड़ता था। अब घर के पास ही नल से पानी मिलने लगा है। इससे हमारी मेहनत और समय दोनों की बचत हो रही है। वे बताती हैं कि अब पानी के लिए लंबी दूरी तय करने की जरूरत नहीं पड़ती। घर पर ही पर्याप्त मात्रा में साफ पानी उपलब्ध होने से दैनिक जीवन काफी सरल हो गया है। बचा हुआ समय अब वे परिवार की देखभाल और अन्य उपयोगी कार्यों में लगा पा रही हैं।

गांव की सबसे बड़ी समस्या हुई दूर- रामफल बैगा

ग्राम निवासी रामफल बैगा बताते हैं कि पहले उनके परिवार को पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी जुटाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के दिनों में पानी की उपलब्धता अनिश्चित रहती थी, जिससे दैनिक कार्य प्रभावित होते थे। रामफल बैगा के अनुसार परिवार के सदस्यों को कई बार दिन में एक से अधिक बार पानी लाने जाना पड़ता था। इससे समय और श्रम दोनों की हानि होती थी तथा खेती-किसानी और अन्य कार्यों के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता था। वे कहते हैं, जल जीवन मिशन के आने से हमारे गांव की सबसे बड़ी समस्या दूर हो गई है। अब घर के पास ही स्वच्छ पानी उपलब्ध है। परिवार को राहत मिली है और जीवन पहले की तुलना में कहीं अधिक सुविधाजनक हो गया है। रामफल बताते हैं कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से ग्रामीणों के स्वास्थ्य में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। दूषित जल के उपयोग में कमी आने से जलजनित बीमारियों का खतरा भी कम हुआ है।

महिलाओं को राहत, बच्चों को मिला बेहतर स्वास्थ्य

जल जीवन मिशन के प्रभाव से ग्राम मुड़घुसरी प्लाट में केवल पेयजल संकट का समाधान ही नहीं हुआ है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी व्यापक बदलाव आया है। महिलाओं को पानी लाने की कठिन जिम्मेदारी से राहत मिली है, वहीं बच्चों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

आज नल के माध्यम से नियमित जलापूर्ति होने से लोगों का समय और श्रम दोनों बच रहे हैं। यह समय अब परिवार, शिक्षा, आजीविका और सामाजिक गतिविधियों में उपयोग हो रहा है। ग्राम पंचायत, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से योजना का संचालन एवं रखरखाव प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। सामुदायिक सहयोग के कारण जल संरचनाओं का संरक्षण भी बेहतर तरीके से हो रहा है, जिससे योजना की दीघर्कालिक सफलता सुनिश्चित हो सके। आज खुटू बाई और रामफल बैगा जैसे ग्रामीणों के चेहरों पर दिखाई देने वाली संतोष की मुस्कान इस बात का प्रमाण है कि जब सरकारी योजनाएं प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी के साथ धरातल पर उतरती हैं, तब वे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफल होती हैं।

सोमनी शासकीय स्कूल में हर्षोल्लास से मना प्रवेशोत्सव, नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत

छात्राओं को बांटी गई साइकिलें, पाठ्य पुस्तकें, प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर गांव-जिले का नाम रोशन करने जिपं सदस्य अंगेश्वर देशमुख ने किया प्रेरित

नई दृष्टिबिंदु / सोमनी-राजनांदगांव

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सोमनी में सोमवार को नवीन शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ शाला प्रवेशोत्सव के रूप में उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई।

प्राचार्य श्रीमती सविता अवस्थी ने स्वागत भाषण में शासन की मंशा और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रवेशोत्सव का उद्देश्य बच्चों के लिए भयमुक्त, आनंददायी व प्रेरणादायी वातावरण बनाना है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शिक्षकों के साथ अभिभावकों और समुदाय की सहभागिता भी जरूरी है।

जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख ने विद्यार्थियों को प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर गांव-जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उदाहरण दिया।

इस मौके पर नवप्रवेशी बच्चों का तिलक, पुष्प और मिठाई से स्वागत किया गया। विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। छात्राओं को साइकिलें देकर नियमित स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अतिथियों ने शिक्षा को सफलता का आधार बताते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन जी.डी. गुरु ने किया। इस दौरान शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कृष्णा तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा ग्रामीण मंडल सोमनी के महामंत्री रमन सिंह राजपूत, सरपंच सोमनी, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य उमेश साहू, अनंत राम श्रीवास, ईश्वर सार्वा, प्रधान पाठक खुमेश्वरी शर्मा, संकुल समन्वयक नरेश दुरुक्कर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

जाजपुर अखिल भारतीय महिला कबड्डी में राजनांदगांव का दबदबा, फाइनल में हरियाणा को 1 अंक से हराया

नई दृष्टिबिंदु / जाजपुर-राजनांदगांव

ओडिशा के जाजपुर में आयोजित अखिल भारतीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में राजनांदगांव की महिला टीम ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए खिताब अपने नाम किया। रोमांचक फाइनल में राजनांदगांव ने हरियाणा कबड्डी अकादमी की मजबूत टीम को 28-27 से एक अंक से हराकर ट्रॉफी जीती।

सेमीफाइनल में रायपुर को हराया

स्तरीय टूर्नामेंट में हरियाणा, पंजाब, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा समेत कई राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया। सेमीफाइनल मुकाबला छत्तीसगढ़ की दो टीमों लालपुर रायपुर और राजनांदगांव के बीच हुआ। राजनांदगांव ने शानदार खेल दिखाते हुए 42 अंक बनाए,

सेमीफाइनल में रायपुर को 23 अंकों से दी शिकस्त, इस साल अजेय रही टीम

जबकि रायपुर की टीम 19 अंक ही बना सकी। 23 अंकों की बड़ी जीत के साथ राजनांदगांव ने फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में हरियाणा कबड्डी अकादमी से कड़ी टक्कर मिली। मैच में कभी हरियाणा तो कभी राजनांदगांव बढ़त बनाती रही। अंतिम क्षणों में राजनांदगांव ने 28 अंक बनाकर हरियाणा के 27 अंकों के मुकाबले एक अंक से जीत दर्ज की। दर्शकों ने इसे इस वर्ष का श्रेष्ठ मैच बताया।

छाया और सुमन रहीं स्टार

कोच ललित साहू के मार्गदर्शन में टीम ने शानदार लय दिखाई। देश की 20 बेस्ट खिलाड़ियों में शामिल छाया चंद्रवंशी और छत्तीसगढ़ की बेस्ट कैचर सुमन उवर्शा ने जीत में अहम भूमिका निभाई। टीम इस साल दर्जनों अखिल भारतीय मैचों में विजेता बनकर अजेय रही है। प्रदेश कबड्डी संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक चौधरी, जिला अध्यक्ष ऋषि देव चौधरी, निगम अध्यक्ष महेश साहू और महासचिव तीरथ गिरी गोस्वामी सहित सभी सदस्यों ने कोच, मैनेजर और खिलाड़ियों को राजनांदगांव और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने पर बधाई दी।

खरवे गांव में 8 मौतों का मामला, कब्र से निकाले गए 6 शव, जांच तेज

बलौदाबाजार। जिले के खरवे गांव में पिछले तीन महीनों में 8 लोगों की संदिग्ध मौत के मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। मामला कसडोल थाना क्षेत्र का है, जहां ग्रामीणों के आरोपों के बाद प्रशासन ने जांच तेज कर दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने शराब में जहर मिलाकर कई लोगों को पिलाया, जिससे उनकी मौत हुई। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पहले शनिवार को एक शव को कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया था। इसके बाद मंगलवार को प्रशासनिक टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से 6 और शवों को कब्र से बाहर निकाला।

पुरानी भिलाई पुलिस की कार्रवाई, गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत थाना पुरानी भिलाई पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 5.518 किलोग्राम गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजा, नगदी राशि, मोबाइल फोन और एक स्कूटी सहित लाखों रुपये की सामग्री जब्त की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 16 जून को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि शिवाला शिवधाम के पास स्थित खाली मैदान में दो व्यक्ति स्कूटी क्रमांक सीजी 07 सीटी 3666 में सफेद रंग की बोरी रखकर अवैध रूप से गांजा बिक्री कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना पुरानी भिलाई पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों संदेहियों को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक सफेद बोरी में रखे पॉलीथिन पैकेट से कुल 5.518 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी

अनुमानित कीमत 2 लाख 79 हजार 100 रुपये बताई गई है। इसके अलावा गांजा बिक्री से प्राप्त 4,200 रुपये नगद, एक कीपैड मोबाइल, एक ओप्पो रेनो मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी भी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित देवांगन (23 वर्ष) निवासी दुर्गा मंदिर नदगईया पारा, खुर्सीपार तथा दश पासवान (18 वर्ष 01 माह) निवासी दुर्गा मंदिर नदगईया पारा, खुर्सीपार, जिला दुर्ग के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 317/2026 के तहत धारा 20(ख) एवं 27(क) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी अवैध आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से गांजा का अवैध विक्रय कर रहे थे। यह कार्रवाई शिवाला शिवधाम के पास स्थित खाली मैदान, थाना पुरानी भिलाई क्षेत्र में की गई। इस सफल कार्रवाई में थाना पुरानी भिलाई पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने त्वरित सूचना संकलन, घेराबंदी और प्रभावी कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि नशे एवं मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने कहा है कि समाज को नशामुक्त बनाने में जनता का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

सट्टा-पट्टी लिखते महिला गिरफ्तार, 4,900 रुपये नकद और सट्टा सामग्री जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के थाना पुलगांव अंतर्गत चौकी जेवरा सिरसा पुलिस ने अवैध सट्टा गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम सिरसा खुर्द में सट्टा पट्टी लिखकर जुआ संचालन कर रही एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपिया के कब्जे से 4,900 रुपये नकद, 14 सट्टा पट्टियां और एक डॉट पेन जब्त किया है। पुलिस के अनुसार 16 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम सिरसा खुर्द स्थित छोटे तालाब के पास एक महिला आम लोगों से सट्टा लेकर सट्टा पट्टी लिख रही है। सूचना मिलते ही चौकी जेवरा सिरसा पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान एक महिला सट्टा पट्टी लिखते हुए मिली। पूछताछ में उसने अपना नाम शेख ईद बी (42 वर्ष), निवासी सिरसा खुर्द, चौकी जेवरा सिरसा, थाना पुलगांव, जिला दुर्ग बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से विभिन्न अंकों में लिखी 14 सट्टा पट्टियां, 4,900 रुपये नकद और एक डॉट पेन बरामद हुआ।

पुलिस ने जब्त सामग्री को कब्जे में लेकर आरोपिया के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 की धारा 6(2) के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपिया अवैध रूप से सट्टा पट्टी लिखकर आर्थिक लाभ अर्जित कर रही थी। पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध जुआ और सट्टा गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के अवैध जुआ, सट्टा या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके।

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100